वर्ष : 17 ❖ अंक : 103 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 17 नवम्बर 2022

देश के विकास में महिलाओं का अमूल्य योगदान : राष्ट्रपति 3

केंद्रीय एजेंसियां बीजेपी के खिलाफ नहीं करती हैं कार्रवाई : ममता बनर्जी 8

बजट की कमी के कारण प्रचार-प्रसार में हो रही दिक्कत : मंत्री बी.एस.पंत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 नवम्बर । राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य पर आज बुधवार को राज्य सूचना व जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थानीय चिंतन भवन में एक समारोह आयोजित किया गया। 'डिजिटल घेरे में पत्रकारिता' विषयक इस कार्यक्रम में सूचना व जनसंपर्क मंत्री बीएस पंत मुख्य अतिथि थे। वहीं उनके अलावा इस अवसर पर राज्य के नगर विकास मंत्री एलबी दास, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा, प्रेस सचिव विकास बस्नेत, आईपीआर सलाहकार बीरेंद्र तामलिंग, आईपीआर सचिव श्रीमती सिफोरा तारगैन, आईपीआर निदेशक श्रीमती बेनू गुरुंग तथा विधायकों के अलावा, मीडिया बिरादरी, सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्र एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस हर साल 16 नवम्बर को पूरे देश में मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन वर्ष 1966 में भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर सूचना व जनसंपर्क मंत्री बीएस पंत ने राज्य वित्त विभाग द्वारा आईपीआर विभाग के बजट में कटौती करने की जानकारी देते हुए कहा कि इसके कारण उनका विभाग लंबे समय से विज्ञापन बिलों का भुगतान नहीं कर पा रहा है। मैं आईपीआर विभाग पर दोषारोपण नहीं कर रहा हूं, लेकिन ऐसा ही चलता रहा तो सरकार या राज्य का प्रचार कैसे संभव होगा। वहीं आगामी दिनों में प्रेस व मीडिया की समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए मंत्री ने प्रेस बिरादरी से राज्य में नए अनियमित डिजिटल मीडिया के समाधान के आग्रह के साथ उन्हें सुव्यवस्थित करने का सुझाव दिया। इसके अलावा मंत्री ने प्रेस क्लब भवन की कागजी समस्याओं के शीघ्र समाधान का भी भरोसा दिया।

वहीं कार्यक्रम में स्वतंत्र पत्रकार सरोज गुरुंग को महिला मुद्दों पर रिपोर्टिंग के लिए, होमनाथ दवाड़ी को जलवायु परिवर्तन पर रिपोर्टिंग के लिए और मानवाधिकारों पर रिपोर्टिंग के लिए दिवस राई को मुख्यमंत्री पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके अलावा इस वर्ष के स्व. वाईएन भंडारी सर्वश्रेष्ठ पत्रकारिता पुरस्कार पेमा वांग्चुक को प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, शॉल और दो लाख रुपए नकद राशि शामिल है।

आईपीआर विभाग की ओर से प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम को 5 लाख रुपए भी वार्षिक अनुदान भी दिया गया, जिसे पीसीएस अध्यक्ष शेखर खवास ने प्राप्त किया। इसी तरह सिक्किम प्रेस क्लब द्वारा प्रतिवर्ष दिये जाने वाले ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार स्वतंत्र पत्रकार प्रीतम गुरुंग को प्रदान किया गया। यह वार्षिक पुरस्कार सिक्किम राजभवन द्वारा प्रायोजित होता है। इसमें एक प्रशस्ति पत्र, शॉल और 20 हजार रुपए नकद राशि शामिल है।

कार्यक्रम में मास कम्युनिकेशन विभाग के सहायक प्रोफेसर ने कार्यक्रम के विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं यहां मुख्य अतिथि ने भूटिया टाइपोग्राफिक फॉन्ट का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम को प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष शेखर खवास ने भी संबोधित किया। निदेशक आईपीआर विभाग श्रीमती बेनू गुरुंग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

काफी सोच-विचार के बाद लिया गया था नोटबंदी का फैसला, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने कहा है कि 2016 में की गई नोटबंदी एक बहुत ही सोच-विचार करके लिए गया फैसला था और यह जाली नोट, आतंकवाद के वित्तपोषण, काले धन और कर चोरी जैसी समस्याओं से निपटने की बड़ी रणनीति का हिस्सा था। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 500 और 1000 के नोटों को चलन से बाहर करने और नोटबंदी का यह निर्णय भारतीय रिजर्व बैंक के साथ गहन विचार- विमर्श के बाद लिया गया था और नोटबंदी से पहले इसकी सारी तैयारियां कर ली गई थीं।

केंद्र ने नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दायर हलफनामे में यह बात कही है। इसमें केंद्र सरकार ने कहा कि नोटबंदी करना जाली करेंसी, आतंक के वित्तपोषण, काले धन और कर चोरी की समस्याओं से निपटने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा और एक प्रभावी उपाय था। लेकिन यह केवल इतने तक सीमित नहीं था। परिवर्तनकारी आर्थिक नीतिगत कदमों की श्रृंखला में यह अहम कदमों में से एक था। इस मामले पर सुनवाई पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ कर रही है और अब अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी।

हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा कि नोटबंदी का निर्णय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की विशेष अनुशंसा पर लिया गया था

और आरबीआई ने इसके क्रियान्वयन के लिए योजना के मसौदे का प्रस्ताव भी दिया था। पीठ ऐसी 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिनमें केंद्र के आठ नवंबर, 2016 को लिए गए नोटबंदी के फैसले को चुनौती दी गई है।

यह कहते हुए कि लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए व्यापक उपाय (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सीएम ने की नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 नवम्बर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज अपने सरकारी निवास पर सोरेंग और गेजिंग जिलों के नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं और उनकी सफलता की कामना की। इस अवसर पर मंत्री एमएन शेरपा, एमके शर्मा, एलएन शर्मा, भीम हांग लिम्बू, सांसद इंद्र हांग सुब्बा, पूर्व सांसद व मंत्री ओटी लेप्चा, विधायक आदित्य गोले, श्रीमती सुनीता गजमेर और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग एवं अध्यक्ष बसंत तमांग उपस्थित थे।

इस दौरान सोरेंग के जिला पंचायत प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सोरेंग क्षेत्र के सांगदोर्जी-रिनचेन्पोंग जिला समष्टि की तिला देवी गुरुंग को जिलाध्यक्ष तथा जूम-सालगढ़ी क्षेत्र के गेलिंग-पिपले जिला समष्टि के चंद्रबीर कामी को जिला उपाध्यक्ष के रूप में समर्थन देने की जानकारी दी। इसी तरह गेजिंग के जिला पंचायत प्रतिनिधियों ने जिलाध्यक्ष के रूप में याकसुम ताशीडिंग क्षेत्र के डीएस सुब्बा और मानेबुंग देंताम क्षेत्र की श्रीमती अनीता राई को जिला उपाध्याक्ष के रूप समर्थन देने की बात कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अध्यक्ष और उपाध्याय उम्मीदवारों को उनकी नई भूमिका और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए भी बधाई व शुभकामनाएं दीं और राज्य व यहां के निवासियों के विकास व कल्याण हेतु पूरे समर्पण और उत्साह के साथ कार्य करने की उम्मीद जताई।

राज्य स्तरीय इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 नवम्बर । राज्य शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा मिशन के तत्वावधान में आज स्थानीय वेस्ट प्वाइंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल मैदान में राज्यस्तरीय इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य के शिक्षा मंत्री केएन लेप्चा मुख्य अतिथि और शिक्षा विभाग के ओएसडी सोनम पालजोर भूटिया एवं तथांगचेन नगर परिषद की पार्षद श्रीमती पेमा लम्था विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। वहीं कार्यक्रम में शिक्षा सचिव डीसी नेपाल के अलावा जिलों के निदेशक व मुख्य शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री लेप्चा ने अपने सम्बोधन में लड़के-लड़कियों के वर्ग की विजेता टीमों को बधाई दी और अन्य प्रतिभागी टीम का प्रोत्साहन किया। साथ ही उन्होंने अभी तक स्कूल बैंड शुरू नहीं करने वाले अन्य स्कूलों को भी हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया।

इससे पहले नोडल अधिकारी पेम्पा छिरिंग लेप्चा द्वारा राज्य स्तरीय इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता की पृष्ठभूमि एवं स्वागत वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वहीं समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक मिलन सुब्बा ने प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

समग्र शिक्षा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर सिक्किम के विभिन्न जिलों के 10 स्कूलों ने भाग लिया। इसमें लड़कों की श्रेणी में वेस्ट प्वाइंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और लड़कियों की श्रेणी में नामची गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहला स्थान प्राप्त किया। ये विजेता टीमें केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार आंचलिक एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

सांस्कृतिक विविधता भारत की आत्मा है : प्रो. चतुर्वेदी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 नवम्बर । सिक्किम विश्वविद्यालय के सप्ताहव्यापी दीक्षांत समारोह के तीसरे दिन आज बुधवार को प्रख्यात इतिहासकार प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी द्वारा 'उपनिवेशवाद की सांस्कृतिक पैठ और भारतीय प्रतिक्रिया' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्रमुख शिक्षा सचिव आर. तेलंग मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सदस्य एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर चतुर्वेदी ने भारत के विचार की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सांस्कृतिक विविधता भारत की आत्मा है और इसे बनाये रखना शिक्षा जगत की जिम्मेदारी है। वहीं आर. तेलंग ने सिक्किम विश्वविद्यालय को दीक्षांत सप्ताह समारोह के आयोजन हेतु बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के सकारात्मक कार्यों पर प्रसन्नता जाहिर की।

इससे पहले कार्यक्रम आयोजन समिति की संयोजक प्रोफेसर वीणु पंत ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। वहीं व्याख्यान से पूर्व विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों और वर्ष 2007 में इसकी स्थापना के बाद से इसकी उल्लेखनीय गतिविधियों पर विश्वविद्यालय के पहले वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

आज का युग युद्ध का नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। बाली में जी20 नेताओं ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिए संदेश का समर्थन किया है। पीएम मोदी ने संदेश दिया था- 'आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए।'

पीएम मोदी का संदेश इंडोनेशियाई के बाली शहर में जी20 शिखर सम्मेलन के अंत में घोषणापत्र के रूप में अपनाया गया, इसे भारत के लिए एक कूटनीतिक सफलता माना जा सकता है। क्योंकि, यही संदेश मोदी ने इस साल सितंबर में उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान पुतिन को दिया था।

घोषणा में आगे स्वीकार किया गया कि सुरक्षा मुद्दे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं और स्वीकार किया कि जी20 सुरक्षा संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए मंच नहीं है। कहा गया- मुद्दे पर चर्चा हुई। हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अन्य मंचों में व्यक्त किए गए अपने राष्ट्रीय पदों को दोहराया, जो संकल्प संख्या ईएस-11/1 दिनांक 2 मार्च 2022 में बहुमत से अपनाया गया था (141 वोट के लिए, 5 खिलाफ, 35 बचाव, 12 अनुपस्थित) कड़े शब्दों में यूक्रेन के खिलाफ रूसी संघ द्वारा आक्रामकता की निंदा करता है और यूक्रेन के क्षेत्र से इसकी पूर्ण और बिना शर्त वापसी की मांग करता है।

इसमें यह भी जोड़ा गया कि अधिकांश सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध की कड़ी निंदा की, इस बात पर बल दिया कि यह विशाल मानवीय पीड़ा पैदा कर रहा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूदा कमजोरियों को बढ़ा रहा है- विकास में बाधा, मुद्रास्फीति में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करना, ऊर्जा और खाद्य असुरक्षा को बढ़ाना, और वित्तीय स्थिरता जोखिमों को बढ़ाना। रूस और चीन के विचारों पर बाली घोषणापत्र में कहा गया है कि स्थितियों और प्रतिबंधों को लेकर अलग-अलग आकलन और विचार रहे हैं। इसने नोट किया कि जी20 सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है और यह स्वीकार किया कि सुरक्षा मुद्दों का वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है।

शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए, घोषणापत्र में आगे कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखना महत्वपूर्ण है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों का बचाव करना और सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सहित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना शामिल है। परमाणु हथियारों के उपयोग या उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान, संकटों को दूर करने के प्रयास, साथ ही कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं। आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान, पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक में, मोदी ने रूस से यूक्रेन पर अपने हमलों को रोकने का आग्रह करते हुए कहा था कि 'अब युद्ध का समय नहीं है'।

बागी विधायकों पर एक्शन न होने से माकन का इस्तीफा, खड़गे से कहा- दूसरा प्रभारी ढूंढ लें

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। अजय माकन ने राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी का पद छोड़ दिया है। माकन ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 8 नवंबर को चिट्ठी लिखकर राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम करने से मना कर दिया है। साथ ही, दूसरा प्रभारी ढूंढने की अपील की है। इस चिट्ठी के बाद अब माना जा रहा है कि माकन राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम नहीं करेंगे।

अजय माकन ने चिट्ठी में 25 सितंबर को गहलोत गुट के विधायकों की बगावत और उन पर एक्शन नहीं होने का मुद्दा उठाया है। माकन ने लिखा है कि दिसंबर के पहले हफ्ते में भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान आ रही है। 4 दिसंबर को उपचुनाव हो रहे हैं। ऐसे में राजस्थान का नया प्रभारी नियुक्त किया जाना जरूरी है। भारत जोड़ो यात्रा और उपचुनाव से पहले प्रदेश प्रभारी का पद छोड़ना कांग्रेस की खींचतान में नया चैप्टर माना जा रहा है।

25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में मौजूदा अध्यक्ष खड़गे के साथ अजय माकन पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए थे। गहलोत गुट के विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था। इसके बाद खड़गे और माकन ने दिल्ली जाकर सोनिया गांधी को रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी किए गए थे।

तीनों नेताओं ने जवाब भी दे दिया, लेकिन अब मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। तीनों नेताओं को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके धारीवाल के घर बैठक बुलाने के लिए जिम्मेदार माना गया था। अजय माकन ने अपनी चिट्ठी में 25 सितंबर के सियासी बवाल का जिक्र करते हुए अब तक कार्रवाई नहीं होने की तरफ इशारा किया है।

अजय माकन की 8 नवंबर को लिखी चिट्ठी अब सामने आने से एक बार फिर कांग्रेस की सियासत गर्मा गई है। इस चिट्ठी के बाद विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के मुद्दे पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। माकन की चिट्ठी में 25 सितंबर की घटना का जिक्र और एक्शन नहीं होने की तरफ इशारा किए जाने से अब गेंद खड़गे के पाले में है। पूरा घटनाक्रम खड़गे के सामने ही हुआ था। इसलिए अब नए सिरे से एक्शन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

माकन के इस्तीफे के बाद अब राजस्थान के प्रभारी महासचिव को लेकर सबसे ज्यादा उत्सुकता है। नए प्रभारी के तौर पर शैलजा, अंबिका सोनी, संजय निरुपम और दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नामों की चर्चा है। शैलजा पहले भी राजस्थान में चुनावों के समय जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। अंबिका सोनी पहले प्रभारी रह चुकी हैं। उन्हें गहलोत का नजदीकी माना जाता है। संजय निरुपम संगठन चुनावों में राजस्थान के प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर रह चुके हैं। उन्हें भी न्यूट्रल माना जाता है। दीपेंद्र हुड्डा युवा हैं। उन्हें प्रियंका गांधी का नजदीकी माना जाता है। सचिन पायलट के भी नजदीकी हैं।

अजय माकन को अगस्त 2020 में अविनाश पांडे की जगह राजस्थान का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया था। अविनाश पांडे को सचिन पायलट खेमे की शिकायत के बाद हटाया गया था। पांडे पर गहलोत खेमे का पक्ष लेने के आरोप लगे थे। सचिन पायलट खेमे की बगावत के बाद हुई सुलह में यह मुद्दा उठा था। पायलट खेमे से सुलह के हफ्ते भर बाद ही अविनाश पांडे को प्रभारी पद से हटाकर अजय माकन को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया था। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की खींचतान में सवा दो साल में दो प्रभारी बदल चुके हैं।

25 सितंबर को गहलोत गुट के विधायकों के विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने पर खूब सियासी बवाल हुआ था। माकन पर गहलोत खेमे ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनवाने के लिए विधायकों को साधने का आरोप लगाया था। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अजय माकन पर पक्षपात करने के खुलेआम आरोप लगाए थे। धारीवाल ने कहा था- माकन ने विधायकों को पायलट का नाम सीएम पद के लिए लेने के लिए कहा था। इस बात के उनके पास सबूत हैं।

अजय माकन की चिट्ठी के बाद अब सियासी बवाल के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन लेने का दबाव बढ़ गया है। राजनीतिक जानकार इसे राहुल गांधी की यात्रा से पहले शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ के खिलाफ दबाव से जोड़कर देख रहे हैं। माकन की चिट्ठी के बाद अब कांग्रेस में दिल्ली से लेकर जयपुर तक फिर खींचतान को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान में तैयारियों की ख़लानिंग में नोटिस वाले नेता भी शामिल हैं। अनुशासनहीनता का नोटिस मिलने वाले धर्मेंद्र राठौड़ पिछले कई दिनों से राहुल गांधी की यात्रा के रूट वाले जिलों का दौरा कर रहे हैं।

बताया जाता है कि अजय माकन तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं लेने के अलावा उन्हें राहुल की यात्रा की तैयारियों में आगे करने से भी नाराज हैं। इस चिट्ठी में इसकी तरफ भी इशारा किया गया है।

अजय माकन के इस्तीफे पर अब कांग्रेस में बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने माकन के इस्तीफे के बाद इशारों में गहलोत खेमे पर निशाना साधा है। आचार्य प्रमोद ने लिखा है- राजस्थान के प्रभारी कांग्रेस महासचिव अजय माकन का इस्तीफा उन सभी नेताओं के लिए एक बड़ा सबक है, जो अपनी कुर्सी बचाने के लिए पार्टी हाई कमान को ब्लैकमेल और बेइज्जत करते हैं।

सचिन पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा कि 25 सितंबर की घटना से आहत होकर अजय माकन ने प्रदेश प्रभारी का पद छोड़ा है। यह हमारे लिए शर्मिंदगी की बात है। माकन ने कार्यकर्ताओं को एकजुट करके उनकी आवाज सुनी। माकन की वजह से कार्यकर्ताओं को पद मिले थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जगाई थी। 25 सितंबर की घटना का जिक्र करके उनका पद छोड़ना यह साबित करता है कि वे आहत थे।

सचिन पायलट समर्थक विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने कहा कि अजय माकन के पद छोड़ने से आम कांग्रेसी को धक्का लगा है। हमारे प्रभारी महासचिव को यह कहना पड़े कि 25 सितंबर को 51 दिन हो गए और कार्रवाई नहीं हुई। 25 सितंबर को जो हुआ वो आज के अध्यक्ष के सामने हुआ। उस दिन क्या ड्रामा हुआ, हम तीन घंटे तक सीएम हाउस पर बैठक के लिए इंतजार करते रहे। आलाकमान ने माना कि तीन लोग जिम्मेदार थे, उन तीनों के खिलाफ 51 दिन तक कोई कार्रवाई नहीं होना गंभीर बात है। राहुल गांधी की यात्रा से पहले जो भी बदलाव करने हैं वह कर लेने चाहिए। तीनों नेताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो।

हेमंत सोरेन से आज ईडी करेगी पूछताछ, झारखंड में फिर बढ़ने लगी सियासी हलचल

रांची, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को होने वाली प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ के पहले राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास में बुधवार शाम को सत्ताधारी गठबंधन जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी के सभी विधायकों की बैठक बुलाई गई है। इसके पहले कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने अपने आवास पर पार्टी के विधायकों की बैठक बुलाई। इन बैठकों में ईडी के समन से लेकर कई मुद्दों पर चर्चा हुई। चुनाव आयोग की अनुशंसा पर राज्यपाल की ओर से संभावित कार्रवाई के मद्देनजर पैदा हुए पॉलिटिकल क्राइसिस पर चर्चा होगी।

इधर राज्य के अलग-अलग इलाकों से जेएमएम के हजारों कार्यकर्ता रांची के मोरहाबादी मैदान में इकट्ठा हो रहे हैं। पार्टी की रणनीति है कि जिस वक्त मुख्यमंत्री से ईडी की पूछताछ होगी, उस वक्त रांची में जोरदार शक्ति प्रदर्शन हो। ईडी ने राज्य में अवैध माइनिंग के जरिए एक हजार करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए 17 नवंबर को बुलाया गया है। रांची एयरपोर्ट रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने को कहा है।

इसके पहले हेमंत सोरेन को 3 नवंबर को भी पूछताछ के लिए समन भेजा गया था। लेकिन उन्होंने पहले से तय कार्यक्रमों में अपनी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए ईडी से तीन हफ्ते का वक्त मांगा था। इस पर ईडी ने उन्हें तीन के बदले दो हफ्ते का वक्त दिया और दूसरी बार समन जारी कर 17 नवंबर की तारीख तय की गई है। बताया जा रहा कि सीएम से पूछताछ के लिए ईडी के ज्वाइंट डायरेक्टर कपिल राज सहित कई बड़े अफसर रांची पहुंच रहे हैं।

ईडी ने इस पूछताछ के मद्देनजर क्षेत्रीय कार्यालय और उसके बाहर पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य के पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री के समर्थक और सत्ताधारी पार्टियों के कार्यकर्ता ईडी कार्यालय पर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस दृष्टि से पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा की आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। अवैध माइनिंग के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री के विशेष प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को पहले ही गिरफ्तार किया है। पंकज मिश्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट में ईडी ने उसे मिलने वाले राजनीतिक संरक्षण का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया है। खनन घोटाले में साहिबगंज में छापेमारी के दौरान ईडी को पंकज मिश्रा के घर से एक लिफाफा मिला था। इसमें मुख्यमंत्री के बैंक खाते से जुड़ा चेकबुक था। इसमें से दो चेक बुक हस्ताक्षरित थे। हालांकि, इसमें राशि का उल्लेख नहीं किया गया था।

ईडी की चार्जशीट के मुताबिक मुख्यमंत्री के नाम पर राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल करते हुए अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका जाता था। पंकज मिश्रा के अलावा पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश और कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने भी पूछताछ में हेमंत सोरेन से अपने संबंधों के बारे में जानकारी दी है। माना जा रहा है कि इन्हीं तथ्यों के आधार पर मुख्यमंत्री से पूछताछ की जाएगी। ईडी ने इसके पहले मनरेगा घोटाले के जरिए मनी लांड्रिंग में झारखंड की सीनियर आईएएस खनन सचिव पूजा सिंघल को भी गिरफ्तार किया था। उनसे जुड़े सीए सुमन कुमार के ठिकाने से 17.49 करोड़ नकद मिले थे। ईडी को जांच के दौरान इस बात की जानकारी मिली थी कि इसमें अवैध खनन से मिली राशि भी शामिल है। पूछताछ के दौरान मुख्यमंत्री से इन सभी मुद्दों से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं।

विजयन सरकार के विशेष विधानसभा सत्र बुलाने पर मुख्यमंत्री-राज्यपाल में तकरार तेज

तिरुवनंतपुरम, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के बीच जुबानी जंग पहले ही अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुकी है और एलडीएफ सरकार द्वारा बुधवार को 5 दिसंबर से विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने के ऐलान के बाद एक नया टकराव सामने आया है।

नियमों के अनुसार, सत्र की तारीखें कैबिनेट तय करता है और अंतिम मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजता है। विशेष सत्र का मुख्य आकर्षण यह है कि इसमें सरकार एक नया विधेयक ला रही है, जो राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से मुक्त कर देगा।

नए सत्र के आह्वान के परिणामस्वरूप राज्यपाल को कुलाधिपति के रूप में हटाने के विषय पर पिछले सप्ताह खान को जो अध्यादेश भेजा गया था, वह अस्वीकार कर दिया गया है।

विशेष रूप से खान और विजयन के बीच पिछले कुछ महीनों से संबंधों में खटास आ रही है और विवादास्पद मुद्दा राज्य के विश्वविद्यालयों को चलाने के तरीके को लेकर था।

कन्नूर के कुलपति को जिस तरह सेवा विस्तार दिया गया था, उस पर खान दृढ़ता से सामने आए और केरल विश्वविद्यालय के 15 नामित सीनेट सदस्यों को उनके निर्देश का पालन करने में विफल रहने पर उन्होंने फटकार लगाई थी।

उन्होंने शीर्ष अदालत के आदेश के आधार पर राज्य में 10 वीसी को इस्तीफा देने के लिए कहा था। वह मामला फिलहाल केरल काईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन है।

खान जिस तरह से काम कर रहे हैं, उससे विजयन चिढ़ गए हैं, लेकिन बाद खान ने कहा कि उनका किसी के खिलाफ कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है और वह केवल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चीजें यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार हों।

खान के खिलाफ नाराजगी दिखाने के लिए माकपा के नेतृत्व वाले वाम दलों ने मंगलवार को खान के आधिकारिक आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया था। हालांकि विजयन या उनके कैबिनेट के मंत्रियों ने इसमें भाग नहीं लिया था।

खान ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि सभी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन वह किसी के दबाव के आगे नहीं झुकेंगे।

अब सभी की निगाहें आगामी सत्र और प्रस्तावित विधेयक पर टिकी हैं, जो पारित होने जा रहा है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह विधेयक का पुरजोर विरोध करेगा।

बिहार में कानून का राज है, इसे बनाये रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम नीतीश

पटना, 16 नवम्बर (का.सं.)। बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य में कानून का राज स्थापित है, इसे बनाये रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिहार में नवनियुक्त 10,459 पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को नियुक्तिपत्र वितरण के लिए पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में कानून का राज स्थापित है और इसे बनाये रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कानून का राज कायम रखना सरकार का दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी देश के अलग-अलग राज्यों में एक लाख की आबादी पर पुलिसकर्मियों की 115 से ज्यादा सख्या है जिसे ध्यान में रखते हुए बिहार में भी इसे बढ़ाकर 160 से 170 करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, इसी के अनुरूप हमें तेजी से नियुक्ति करनी है। हम लोग आवश्यकता के मुताबिक़ निरंतर पुलिस की क्षमता को भी बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2010 में देश में एक लाख की आबादी पर 115 पुलिसकर्मी थे, बिहार में यह संख्या कम थी। उसके अनुसार एक लाख 52 हजार 232 और पुलिसकर्मियों की आवश्यकता थी। हमने गृह विभाग की हर बैठक में कहा कि भर्ती के काम में तेजी लाकर पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करें जिसके बाद बिहार में अब तक एक लाख 8 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की भर्ती हो चुकी है। एक लाख 52 हजार 232 पदों में से अभी भी 44 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती होनी है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पुलिसकर्मियों की भर्ती में देर न करें और यथाशीघ्र उनकी भर्ती करायें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में राज्य सरकार ने पुलिस सेवा में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय किया जिसका परिणाम है कि आज बिहार पुलिस में 25 प्रतिशत महिलाएं सेवारत हैं। उन्होंने कहा कि आज नियुक्तिपत्र मिलने के बाद बिहार के पुलिस बल में महिलाओं की संख्या 27 से 28 प्रतिशत हो जाएगी।

कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2007 में पुलिस के दायित्व को दो हिस्से में बांट दिया था। उन्होंने कहा कि इसके तहत एक हिस्से को कानून व्यवस्था का काम जबकि दूसरे हिस्से को अनुसंधान का काम सौंपा गया था ताकि अपराध पर नियंत्रण के साथ-साथ अनुसंधान के काम में भी तेजी आये। उन्होंने कहा कि अब अनुसंधान का काम भी ठीक ढंग से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एससी/एसटी सतर्कता अनुश्रवण समिति की बैठक में सरकार ने तय कर दिया है कि मामले की जांच 90 दिनों की बजाय अब 60 दिनों के अंदर ही की जाय ताकि दोषियों को समय पर सजा मिल सके।

कुमार ने कहा कि अपराध को नियंत्रित करने के लिए दोषियों पर त्वरित कार्रवाई जरूरी है और पुलिस की गश्त भी जरूरी है। उन्होंने कहा, हम लोगों ने हर थाने को दो वाहन दिया है और तीसरा वाहन भी जल्द उपलब्ध करा देंगे। इसके लिए जल्द से जल्द प्रस्ताव लाइए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मियों द्वारा नियमित गश्त एवं पुलिस बल की संख्या बढ़ने से कानून एवं व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त रहेगी। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवा के लिए डायल 112 शुरू कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस कॉल सेंटर पर अपराध, आगजनी, वाहन दुर्घटना एवं बीमार व्यक्ति से संबंधित सूचनाएं तत्काल दर्ज कराई जा सकती हैं और उस पर त्वरित कार्रवाई की जाती है।

उन्होंने कहा कि कॉल सेंटर में पुरुष एव महिलाओं की बराबर संख्या में प्रतिनियुक्ति की गयी है।

समारोह में नवनियुक्त 215 सार्जेंट, 1,998 सब इंस्पेक्टर एवं 8,246 सिपाहियों को नियुक्तिपत्र प्रदान किया गया। इन नवनियुक्त 10,459 पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों में 3,852 महिलाएं शामिल हैं जो आज नवनियुक्त पुलिस बल का 36.8 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नियुक्तिपत्र वितरण समारोह में नवनियुक्त पुलिसकर्मियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष दोनों हाथ उठाकर शराब का सेवन नहीं करने और दूसरों को भी शराब का सेवन नहीं करने देने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती अभियान जारी रहेगा। आने वाले समय में राज्य पुलिस विभाग में और अधिक भर्तियां की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि अब युवा रक्षा सेवाओं में संविदात्मक नियुक्तियों के लिए आवेदन करने के बजाय बिहार पुलिस में नौकरियों के लिए अधिक आवेदन कर रहे हैं।

यादव ने कहा, राज्य में पुलिसिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जो लोग जाति, पंथ और धर्म के नाम पर समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश करते हैं, उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज के साथ ही पुलिसकर्मियों की नियुक्ति का निर्णय भाजपा के राज्य की सत्ता में रहने के दौरान लिया गया था। उन्होंने दावा किया कि इनमें से बहुतों को तो दुबारा नियुक्तिपत्र सौंपा गया है।

उन्होंने दावा किया कि आज भी जिन पुलिसकर्मियों को नियुक्तिपत्र सौंपा गया है, उनमें आधे से अधिक पुलिसकर्मियों की नियुक्ति महीने भर पहले ही हो गई थी और वे प्रशिक्षण भी ले रहे हैं, इसके बावजूद पानी की तरह पैसा बहा कर कार्यक्रम करना और उन्हें दुबारा नियुक्तिपत्र देना सीधे-सीधे जनता के आंखों में धूल झोंकने की कोशिश है।

किसानों से किए वादे नहीं निभाए, आंदोलन की दोबारा जरूरत : सत्यपाल मलिक

रेवाड़ी, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। बीजेपी के सीनियर लीडर रहे हाल में मेघालय के गवर्नर पद से रिटायर्ड हुए सत्यपाल मलिक ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गेहूं के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले ही अडाणी के पानीपत में गोदाम बनवा दिए गए। किसानों की फसलों का सही दाम नहीं मिला। जब आंदोलन खत्म हुआ तो कुछ मुख्य मांगे थी। केन्द्र सरकार ने तीनों कृषि कानून तो वापस ले लिए, लेकिन उस वक्त किया वादा पूरा नहीं किया।

न किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस हुए और न ही किसानों को एमएसपी का दाम मिला। एमएसपी की गारंटी के कानून की बात ही नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि अगर फिर से किसानों ने आंदोलन किया तो वह हर जगह किसानों के बीच पहुंचेंगे। किसानों की आय बढ़ाने की बात की थी, लेकिन आज तक किया कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि गवर्नर रहते दबाव तो उन पर भी बहुत आया, लेकिन उस दबाव को उन्होंने नहीं माना।

बुधवार को वे जयपुर जाते वक्त दिल्ली-जयपुर हाईवे पर रेवाड़ी के बावल कस्बा में एक स्वागत कार्यक्रम में रूके थे। सत्यपाल मलिक ने अहीर रेजिमेंट को लेकर भी खुलकर बोला। उन्होंने कहा कि अहीर रेजिमेंट तो बहुत पहले बन जानी चाहिए थी। अहीरों का गौरवशाली इतिहास किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी का ही एक गांव कोसली ऐसा है, जहां एक घर में दो-दो लोग सेना में है। यहां के सैनिकों ने बहुत बलिदान दिया है।

पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने कहा कि दुखद बात है कि हरियाणा में जातिवाद का जहर फैलाया जा रहा है। किसानों को आइसोलेट किया जा रहा है, लेकिन जब मौका आए तो बिरादरियों में मत बटना। एकत्रित हो जाना। ये कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

मलिक ने कहा कि कोई मोदी-मोदी नहीं कर रहा। यह सब मीडिया का खेल है। उन्होंने कहा कि जहां अब चुनाव हो रहे है, वहां हर जगह ये घटेंगे। लोकसभा में तो इनका पता ही नहीं चलेगा। पश्चिम बंगाल, तेलांगाना, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान हर जगह हारेंगे और सिर्फ यूपी में मायावती चूंकि आखिरी वक्त पर खेल कर देती हैं, पैसों के लालच में बाकी ना पंजाब जीतेंगे ना हरियाणा जीतेंगे।

चुनाव के बाद भूपेंद्र पटेल बने रहेंगे सीएम : अमित शाह

अहमदाबाद, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात में विधानसभा चुनाव जीतने का पूरा भरोसा जताते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि इस बार भी भूपेंद्र पटेल राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। यदि वह इस बार भी विधानसभा चुनाव जीतते हैं तो विधायक के रुप में यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पटेल की उम्मीदवारी दाखिल करने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा- बीजेपी प्रचंड बहुमत से जीतने जा रही है। गुजरात के लोग इस बार सबसे अधिक बीजेपी विधायकों को जिताकर भारतीय लोकतंत्र में इतिहास रचने के लिए तैयार हैं और चुनाव के बाद भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

शाह ने गुजरात खासकर अहमदाबाद के पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि उन सालों में कानून व्यवस्था नियंत्रण से बाहर थी, राज्य में 365 दिनों में से 200 दिन कर्फ्यू लगा रहता था, लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, तब से कर्फ्यू अतीत की बात हो गई है। पार्टी ने राज्य को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि गुजरात का विकास कई राज्यों का रोल मॉडल बन गया है। उन्होंने दोहराया कि इस चुनाव में यह भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है और तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाएगी।

नामांकन दाखिल करने से पहले पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को तीन मिनट तक संबोधित किया।

अमित शाह के मार्गदर्शन में हुआ महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन : फडणवीस

मुंबई, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार राज खोला है। उन्होने कहा कि केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ। मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आचार्य पवन त्रिपाठी की पुस्तिका 'विचार पुष्प' के विमोचन समारोह में फडणवीस ने कहा कि इस पुस्तक का कोई भी पन्ना खोलिए, आपको ज्ञान मिलेगा, जो आपको प्रेरणा देगा।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री के विचारों में गहनता है। वे छत्रपति शिवाजी महाराज, वीर सावरकर और चाणक्य को मानने वाले नेता हैं। उनमें नेतृत्व क्षमता तो है ही, प्रचंड निर्णय क्षमता भी है। महाराष्ट्र में हुआ परिवर्तन आपने देखा है। हमारे साथ शिवसेना ने जो बेईमानी की थी, उन बेईमानों को उनकी जगह दिखा दी गई। अमित शाह के मार्गदर्शन के कारण ही आज महाराष्ट्र में भाजपा और बालासाहेब की शिवसेना की सरकार सत्ता में है। फडणवीस ने कहा कि अमित शाह पार्टी के लिए समर्पित नेतृत्व हैं। भाजपा अध्यक्ष के रूप में हमने उनका काम देखा है। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में 2014 में लोकसभा के चुनाव के दौरान हम सबने यूपी में भी उनका काम देखा, जहां भाजपा को सर्वाधिक सीटें मिलीं। पार्टी को मजबूत करने के लिए वे लगभग पूरे देश में घूमे। वे हर राज्य में कई दिनों तक रुकते थे। अमित भाई एक दिन में 40-40 बैठकें करके कार्यकर्ताओं से लेकर समाज के हर तबके के लोगों तक पहुंचे हैं।

महाराष्ट्र में भी दो-ढाई महीने रहे और इसी कार्यालय में रहकर चुनावी प्रक्रिया को संभाला और अंततः भाजपा की सरकार आई। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प और अमित भाई शाह के आत्मविश्वास के कारण ही कश्मीर से धारा 370 को हटाने में सफलता मिल पाई। इसी का नतीजा है कि कश्मीर आज प्रगति की ओर अग्रसर है।

महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित पुस्तिका विमोचन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढा, मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार, सहकारिता मंत्री अतुल सावे, विधायक राजहंस सिंह मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना में आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि संसद में, कार्यक्रमों में और मीडिया में अमित शाह ने जो विचार व्यक्त किए, उन्हीं में से कुछ प्रेरक व मार्गदर्शक वाक्यों को चुनकर मैंने यह 'विचार पुष्प' तैयार किया है। इसे पढ़ने वाले को निश्चित रूप से लाभ होगा। कार्यक्रम का संचालन श्वेता परूलकर ने किया।

सोशल मीडिया कंपनियां चाहें तो किसी भी पार्टी को चुनाव जिता सकती हैं : राहुल गांधी

वाशिम, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर उंगली उठाते हुए कहा कि इसके जरिए चुनाव धांधली को अंजाम दिया जा सकता है। राहुल ने बुधवार को कहा कि सोशल मीडिया के जरिए चुनावों में धांधली की जा सकती है और अगर सोशल मीडिया कंपनियां चाहें तो किसी भी पार्टी को चुनाव जिता सकती हैं। उन्होंने किसी पार्टी का नाम लिए बिना यह भी कहा कि सांप्रदायिक हिंसा को एक विचारधारा और उसके नेताओं द्वारा समाज में वैमनस्य पैदा करने के लिए रणनीतिक हथियार के रूप में ख़लांट किया गया है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कार्यकर्ता मेधा पाटकर और जीजी पारिख के नेतृत्व में नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान ये बात कही।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि भले ही ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) सुरक्षित है, सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय चुनावों में धांधली हो सकती है। बड़ी सोशल मीडिया कंपनियां चाहें तो किसी भी पार्टी को चुनाव जिता सकती हैं। वहां व्यवस्थित पूर्वाग्रह लागू किया जा रहा है और मेरे सोशल मीडिया हैंडल इसका एक जीवंत उदाहरण हैं। कांग्रेस के एक बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने राजनीतिक लोकतंत्र और सांप्रदायिक सद्भाव जैसे प्रासंगिक मुद्दों को उठाया।

राजनीतिक लोकतंत्र के बारे में बात करते हुए मेधा पाटकर ने कहा कि यह ईवीएम के बारे में संदेह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका मतलब यह भी है कि वीवीपैट की सच्चाई सामने आना जरूरी है। उन्होंने सभी दलों के घोषणापत्र के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी के बारे में बात की, जिससे घोषणापत्र को सभी राजनीतिक दलों के लिए बाध्यकारी बनाने के लिए कानूनी सुधार किए जाने चाहिए। मानवाधिकार कार्यकर्ता इरफान इंजीनियर ने सांप्रदायिक वैमनस्य, ध्रुवीकरण और नफरत फैलाने वाले मुद्दों को उठाया।

इससे पहले मंगलवार को पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा का असर विधानसभा चुनावों में नहीं बल्कि 2024 में होने वाले अगले संसदीय चुनावों में महसूस किया जाएगा।

मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि आप पूछेंगे कि यात्रा का गुजरात या हिमाचल चुनाव पर क्या असर पड़ेगा? इसका कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का किसी वोट बैंक से कोई लेना-देना नहीं है। इसका मकसद राजनीति से परे है। यह राजनीतिक चोरों के खिलाफ राजनीतिक लोगों की यात्रा है।

रमेश ने कहा कि यात्रा एकजुटता को बढ़ावा देगी, इसने हमारी पार्टी को एकजुट किया है। इसका प्रभाव यदि कोई है, तो 2024 के चुनावों में महसूस किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि 18 नवंबर को यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में एक भव्य जनसभा आयोजित की जाएगी। राहुल गांधी रैली में मुख्य अतिथि होंगे।

काफी सोच-विचार .....

किए गए थे, केंद्र ने कहा कि निर्दिष्ट बैंक नोटों को कुछ लेन-देन जैसे कि बस, ट्रेन और हवाई टिकट बुक करने, अस्पताल, एलपीजी सिलेंडर की खरीद में इस्तेमाल करने की छूट थी। इसमें व्यवसाय की लागत को कम करने, वित्तीय समावेशन को सुगम बनाने और अनौपचारिक क्षेत्र में लंबे समय वाली विकृतियों को दूर करने का भी उल्लेख किया गया।

9 नवंबर को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने व्यापक हलफनामा तैयार नहीं कर पाने के लिए पीठ से माफी मांगी और एक सप्ताह का समय मांगा था। न्यायमूर्ति नागरत्न ने कहा था कि आम तौर पर संविधान पीठ इस तरह नहीं उठती और यह बहुत शर्मनाक है।

ममता ने बंगाल से जुड़े प्रवासी श्रमिकों की मौतों पर सवाल उठाया

कोलकाता, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। मिजोरम में पत्थर खदान ढहने से 12 मजदूरों में से पांच की मौत पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य के प्रवासी श्रमिकों की लगातार मौतों पर चिंता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'पिछले कुछ महीनों के आंकड़ों की तुलना करके देखें तो हाल के दिनों में विभिन्न दुर्घटनाओं में मारे गए प्रवासी श्रमिकों में से अधिकांश पश्चिम बंगाल के थे। हो सकता है अन्य राज्यों के प्रवासी श्रमिकों की भी कहीं और मौतें हुई हों। लेकिन मरने वालों की संख्या सबसे अधिक उन लोगों की रही है, जो पश्चिम बंगाल से थे। मिजोरम, कश्मीर और मणिपुर का उदाहरण लीजिए। मुझे नहीं पता कि ये क्या हो रहा है।'

हाल ही में मिजोरम में पत्थर की खदान ढहने से पश्चिम बंगाल के पांच मजदूरों की कथित तौर पर मौत हो गई थी, जिनमें से चार नदिया जिले के थे और एक उत्तर 24 परगना जिले के थे।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ पांच परिवारों में से प्रत्येक के एक सदस्य को राज्य सरकार की नौकरी का आश्वासन दिया।

हालांकि, पश्चिम बंगाल से प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु की उच्च दर पर उनकी टिप्पणी ने राजनीतिक हलकों में लहर पैदा कर दी है।

हाल ही में भाजपा, वाम मोर्चा और कांग्रेस जैसे राज्य के प्रमुख विपक्षी दलों ने आजीविका कमाने के लिए पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों के दूसरे राज्यों में जाने के मुख्य कारण के रूप में राज्य सरकार की नीतियों पर बार-बार हमला किया है।

विपक्षी दलों ने दावा किया कि चूंकि राज्य सरकार की नीतियां औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए अनुकूल नहीं हैं, इसलिए राज्य के श्रमिकों और दिमाग को अपनी आजीविका कमाने के लिए कहीं और जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों को लगता है कि शायद मुख्यमंत्री ने महसूस किया कि मिजोरम त्रासदी के बाद विपक्ष द्वारा फिर से वही आलोचना की जा सकती है और इसलिए उन्होंने राज्य के लोगों की मौत पर अपनी चिंता व्यक्त करके उन रास्तों को 'सील' करने की कोशिश की है।

देश के विकास में महिलाओं का अमूल्य योगदान : राष्ट्रपति

भोपाल, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के प्रवास पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि देश के विकास में मध्यप्रदेश की महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा है। वे राजधानी के मोती लाल नेहरु स्टेडियम लाल परेड मैदान में महिला स्व-सहायता समूह के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। यहां लगभग 42 लाख महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं। इन महिलाओं को सरकार के माध्यम से कृषि एवं गैर कृषि कार्यों के लिए 4157 करोड़ रुपए का बैंक ऋण दिलवाया गया है। प्रदेश में एक जिला-एक उत्पाद योजना द्वारा इनके उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के बनाने में महिला शक्ति की अधिक से अधिक भागीदारी जरूरी है। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिससे सभी वर्ग की बेटियां निर्भीक एवं स्वतंत्र महसूस करें और अपनी प्रतिभा का भरपूर उपयोग कर सकें। महिलाओं के नेतृत्व में जहां-जहां कार्य किये जाते हैं वहां सफलता के साथ संवेदनशीलता भी देखने को मिलती है। सभी महिलाएं एक दूसरे को प्रेरित करें। एकजुट होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़े।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश के विकास में मध्यप्रदेश की महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा है। वीरांगना दुर्गाबाई, अहिल्याबाई, अवंतीबाई और कमलाबाई की गौरव गाथा हमारी विरासत है। वर्तमान समय में सुमित्रा महाजन, जनजातीय चित्रकार भूरी बाई, दुर्गाबाई व्याम और रतलाम की मदर टेरेसा कहीं जाने वाली डॉ. लीला जोशी महत्वपूर्ण नाम है। मुझे इन्हें पद्मश्री सम्मान देने का अवसर मिला।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, अनुसंधान, कला, संस्कृति, साहित्य, खेल-कूद, सैन्य बल आदि हर क्षेत्र में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। कम से कम संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना महिलाओं को आता है। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज शिक्षित होता है। महिलाओं का विकास ही देश का विकास है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि देश मात्र एक मिट्टी का टुकड़ा नहीं बल्कि राष्ट्र पुरूष है। उसकी दो संताने हैं एक बेटा और एक बेटी। यदि एक दुर्बल रह जाएं तो देश सशक्त नहीं हो सकता। देश की तरक्की के लिये दोनों का शिक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। दोनों का सम्मान भी जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेरे जीवन का यह अनुभव रहा है कि यदि मेहनत, लगन, सच्चाई और सफाई के साथ कार्य किया जाए तो आप निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे और सफल होंगे। मैंने अपने जीवन में यह अपनाया है। मैंने वार्ड मेम्बर के रूप में अपना कार्य शुरू किया तब यह नहीं सोचा था कि मैं राष्ट्रपति बनूंगी। मैंने हमेशा अपने कार्य को महत्व दिया। कभी पद के बारे में नहीं सोचा।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूह के सदस्यों में बचत की आदत विकसित करने के साथ ही समूह के नेतृत्व को स्कूली शिक्षा के प्रसार, महिला बाल पोषण, परिवार-कल्याण और आरोग्य के संबंध में जनजागृति के प्रयासों में जोड़ा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें प्रेरणा देता है। वे किसी राजा के नेता के घर नहीं साधारण परिवार में जन्मी हैं। उनको विरासत में कुछ नहीं मिला। साधारण गरीब परिवार में जन्म लेकर वे अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ी। पार्षद से मंत्री तक का सफर तय किया। मंत्री के रूप में उनके द्वारा महिलाओं और जनजातीय वर्ग के लिए किए गए कार्य सराहे गए। वे अब भारत के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मेरी यह इच्छा थी कि स्व-सहायता समूह की बहनों को राष्ट्रपति का मार्गदर्शन प्राप्त हो। आज हमें यह सुअवसर मिला। मेरी बहनों की जिदगी बन जाए तो मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक होगा।

SIKKIM UNIVERSITY

6TH Mile Samdur, P.O. Tadong,
Gangtok, Sikkim – 737102
Website www.cus.ac.in

CONVOCATION NOTICE

Sikkim University is holding its 6th Convocation on 18th and 20th November 2022 At Manan Kendra, Development Area, Gangtok. The UG, PG, M.Phil. and Ph.D. students who were successful in 2019-20, 2021and 2022 will be bestowed degrees and certificates.

Sd/-
Registrar

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:103 DrawDate on:16/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 76L 13902
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 13902 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06488 14346 31860 32421 40801 44412 88350 92110 95755 96473
3rd Prize ₹450/-
0624 0806 3868 4200 4617 4950 7019 7115 7252 8382
4th Prize ₹250/-
3100 3820 3995 5510 6407 6455 6605 6617 7321 9958
5th Prize ₹120/-
0280 0307 0316 0399 0479 0487 0657 0779 0849 0940
1005 1185 1348 1447 1696 1706 1821 1832 1879 1933
1987 2017 2060 2068 2103 2161 2285 2375 2714 2835
3154 3489 3519 3774 3884 4000 4168 4205 4211 4230
4253 4290 4306 4314 4528 4652 4768 4839 5008 5136
5157 5190 5364 5675 5695 5712 5723 5846 5980 5995
6073 6230 6254 6690 6787 6909 6927 6942 6976 7013
7030 7363 7523 7605 7805 7887 7971 8001 8005 8209
8235 8363 8436 8470 8486 8511 8932 8935 8978 9084
9132 9203 9453 9536 9619 9714 9742 9776 9807 9983
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:103 DrawDate on:16/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 95H 47735
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 47735 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
18536 26961 34675 35323 40505 45882 48208 60977 82101 94423
3rd Prize ₹450/-
0751 1262 1403 4285 4504 4990 7146 7844 8448 8459
4th Prize ₹250/-
2198 2606 2811 3249 3618 4105 5211 5339 5874 6606
5th Prize ₹120/-
0154 0186 0376 0486 0798 0964 1015 1053 1295 1297
1521 1561 1597 1598 1834 1856 1945 1949 2094 2140
2261 2342 2509 2576 2733 2762 2822 2830 2844 3070
3255 3420 3530 3601 3604 3643 3647 3764 3766 3817
3899 3992 4052 4231 4296 4337 4420 4581 4650 4669
5005 5264 5443 5630 5650 5686 5694 5727 5740 5967
6139 6154 6187 6192 6217 6496 6605 6629 6676 6734
6778 6785 6973 7142 7182 7339 7471 7633 7666 7706
7756 8092 8119 8393 8425 8549 8600 8650 8657 8693
8724 8867 9026 9123 9246 9570 9762 9789 9884 9922
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:203 DrawDate on:16/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 46C 16252
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 16252 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05412 24942 25535 41205 52255 53015 80468 85507 93424 95557
3rd Prize ₹450/-
0159 1848 2198 2867 3376 3949 4220 5055 5553 6777
4th Prize ₹250/-
2072 2500 2781 3343 3662 4253 5601 7498 8108 9855
5th Prize ₹120/-
0142 0571 0713 0919 0938 1010 1056 1123 1226 1287
1299 1381 1384 1632 1705 1774 1821 1904 1964 2090
2128 2251 2501 2591 2732 2775 2839 2908 3001 3030
3067 3142 3162 3226 3340 3398 3418 3629 3712 3725
3734 3838 3938 4217 4300 4390 4682 4731 4757 4957
5111 5279 5385 5427 5439 5450 5479 5503 5552 5616
5717 5818 5907 5912 6002 6049 6104 6183 6242 6312
6334 6392 6590 6615 6637 6724 6796 6812 7183 7192
7257 8006 8095 8156 8157 8283 8318 8395 8424 8505
8517 8626 9001 9151 9213 9220 9368 9620 9874 9888
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

जबरन न हो धर्मांतरण

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जबरन धर्मांतरण पर सख्त रुख दिखाते हुए इसे गंभीर मसला करार दिया और सरकार से एक सप्ताह के अंदर यह बताने को कहा कि वह ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए किस तरह के कदम उठा रही है। कोर्ट ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि लालच देकर या किसी उपाय से मजबूर करके करवाया जाने वाला धर्मांतरण न केवल देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है बल्कि नागरिकों को संविधान से मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को भी बाधित करता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की यह बात भी गौर करने वाली रही कि खासकर देश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में इस तरह की काफी घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे मामलों में आदिवासियों को इस बात का अहसास भी नहीं होता कि उनके साथ कोई साजिश हो रही है और उनके अधिकारों और अंत:करण की उनकी स्वतंत्रता पर डाका डाला जा रहा है। वे यही समझते हैं कि सब कुछ उनकी मदद के लिए किया जा रहा है। चूंकि सरकार को इन साजिशों की काफी हद तक जानकारी है, इसलिए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वह इन्हें रोकने के लिए किस तरह के उपाय कर रही है या करने की उसकी योजना है। लेकिन जहां तक धर्मांतरण का सवाल है तो याद रखना चाहिए कि यह जितना संवेदनशील है, उतना ही जटिल भी है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश से भी स्पष्ट है कि डर या लालच के जरिए होने वाला धर्मांतरण नागरिकों के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को भी बाधित करता है। यानी लोगों को धर्मांतरण के लिए लालच देने या उन्हें डराने धमकाने की प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कोशिशों को रोकना जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना भी है कि नागरिकों को अपने विवेक से स्वैच्छिक धर्मांतरण की आजादी पर किसी तरह का खतरा न महसूस हो। यह सावधानी इसलिए भी जरूरी है क्योंकि हाल के वर्षों में समाज में धर्मांतरण को लेकर जो विमर्श उभरा है, उसमें ज्यादा जोर धर्मांतरण रोकने पर है।

स्वैच्छिक धर्मांतरण की स्वतंत्रता कायम रखने का वैसा आग्रह नहीं दिखता है। यह भी याद रखने की जरूरत है कि अगर विभिन्न धर्मों के अनुयायियों में अपने अपने धर्मों की सर्वोच्चता का भाव असहिष्णुता की हदों को छूने लगता है तो विभिन्न धर्मों की खूबियों और कमियों पर स्वस्थ बहस की संभावना बाधित होती है।

एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष समाज के लिए स्वस्थ बहस की इस जमीन को सुरक्षित बनाए रखना बहुत जरूरी होता है। निश्चित रूप से इसमें प्राथमिक भूमिका समाज के लोकतांत्रिक और प्रगतिशील तत्वों की ही बनती है। लेकिन सरकार को, अपने स्तर पर यह जरूर सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके नियम-कानून और तौर-तरीके समाज के इन लोकतांत्रिक और प्रगतिशील तत्वों की भूमिका को कमजोर करने वाले नहीं बल्कि इन्हें प्रोत्साहित करने वाले हों।

मानगढ़ धाम की गौरव गाथा का स्मरण

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय मंत्री

हमारा देश हमारे गौरवान्वित नागरिकों के संपूर्ण सामर्थ्य का उपयोग करते हुए बहुआयामी रूप से विकास की राह पर बड़े कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव स्वयं का विश्लेषण करने और जन चेतना को जागृत करने का सही अवसर है ताकि देश नई ऊंचाइयों को छू सके। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक ऐसी गाथाएं शामिल हैं जो स्वतंत्रता सेनानियों की जागृत चेतना को दर्शाती है जो राष्ट्रवादी आंदोलन में भाग लेने वाले सभी वर्गों को समाहित करती हैं। यशवंचित विस्मृत वीरों और वीरांगनाओं ने मातृभूमि की गरिमा की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था। हाल ही में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर, 15 नवम्बर को मनाए गए द्वितीय जनजातीय गौरव दिवस में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के पराक्रम और साहसिक कृत्यों का पुन:स्मरण कराया गया। आज 17 नवम्बर का दिन अंग्रेज हुकूमत के अत्याचारों के विरुद्ध लड़ते हुए गोविंद गुरु के नेतृत्व में जनजातीय व्यक्तियों द्वारा किए गए नरसंहार का स्मरण कराता है।

राजस्थान के डूंगरपुर बांसवाड़ा क्षेत्र में एक बंजारा परिवार में जन्मे गोविंद गुरु ने स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षा को आत्मसात किया और वह सामाजिक-धार्मिक उत्थान के माध्यम से भील जनजातियों को एकजुट करने के लिए सक्रिय हो गए। भारतीय परंपरा और आदर्शों के सच्चे प्रतिपादक के रूप में उन्होंने 25 वर्ष की आयु में सन- 1883 में जनजातीय लोगों के बीच एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए संप सभा की स्थापना की। ये सामाजिक-आर्थिक कदम उसी समय उठाए गए जिस समय ब्रिटिशराज भारत से योजनाबद्ध तरीके से लूटपाट कर रहा था और स्थानीय और स्वदेशी लोगों के हितों के प्रति असंवेदनशील हो गया था। सन-1903 के बाद से मानगढ़ पहाड़ी इस क्षेत्र के भील और अन्य जनजातीय लोगों के लिए एक मेले के रूप में आयोजित वार्षिक समागम के लिए प्रसिद्ध स्थान बन गया था।

भारत में स्व-शासन की मांग ने 20वीं शताब्दी के पहले दशक में बहुत अधिक जोर पकड़ लिया। फूट डालो और राज करो की नीति और उसके परिणामस्वरूप हुए बंगाल विभाजन तथा धन संपत्ति को देश से बाहर ले जाने की प्रणाली ने ब्रिटिश शासन के नैतिक आधार का भांडाफोड़ कर दिया था। गोविंद गुरु ने भी सूखा/अकाल प्रभावित परिस्थितियों में जनजातियों से लिए जाने वाले लगान को कम करने और धर्म तथा रीति-रिवाजों का पालन करने में स्वतंत्रता की मांग रखी।

स्वतंत्रता संग्राम के भाग के रूप में, जनजातियां और भील समुदाय अंग्रेजों के विरुद्ध बड़े संघर्ष की तैयारी में जुटे थे। सन 1913 में 17 नवम्बर की पूर्णिमा के दिन मानगढ़ पहाड़ी पर 1.5 लाख से अधिक भील, गुरु के प्रति अपनी निष्ठा दर्शाते हुए इकट्ठा हुए ताकि वे अपनी आध्यात्मिक इच्छाओं को पूरा कर सकें और ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए कोई रास्ता खोज सकें। गैर कानूनी रूप से इकट्ठा किया गया लगान स्पष्ट रूप से अंग्रेजों की दमनकारी नीति और अन्यायपूर्ण कृत्यों को दर्शाता था। भूरेटिया नही मानू रे (मैं अंग्रेजों के दमनकारी शासन के प्रति कभी भी वफादार होना स्वीकार नहीं करूंगा) गीत जनजातीय लोगों की मुखर अभिव्यक्ति बन गया। अत: अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए गोविंद गुरु का आह्वान ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रथम सविनय अवज्ञा आंदोलन की नींव साबित हुआ।

इतने बड़े पैमाने पर होने वाली सभा की भनक लगते ही अंग्रेजों ने मानगढ़ पहाड़ी पर 7 कंपनियां तैनात की जिन्होंने पूरी मानगढ़ पहाड़ी को घेर लिया और तोपें भी तैनात कर दीं। गोलियों का भय दिखाते हुए जनजातीय लोगों के हौंसलों को पस्त करने का प्रयास किया। अंग्रेजी हुकूमत ने गोविन्द गुरू और उनके अनुयायी भील समाज के लोगों को मानगढ़ पहाड़ी खाली करने का आदेश दिया। जनता की आध्यात्मिकता द्वारा संवर्धित जागृत चेतना किसी भी प्रकार से अंग्रेजों के प्रति वफादारी स्वीकार करने को तैयार नहीं थी। उनके विश्वास और मातृभूमि की रक्षा करने की भावना ने गोलियों के भय को नजरअंदाज कर दिया। संवेदनहीन अंग्रेजों ने बड़े पैमाने पर गोलीबारी का आदेश दिया और इस अमानवीय कृत्य के कारण उस दिन 1500 से अधिक जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण त्याग दिए। अंग्रेजों का नैतिक आचरण लगातार विकृत होता गया जब उन्होंने 6 वर्षों के बाद जलियांवाला बाग नरसंहार और ऐसे ही अन्य अमानवीय कृत्यों को अंजाम दिया।

स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे विस्मृत वीरों के बलिदानों ने राष्ट्रवादी समुदाय के नैतिक मूल्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इससे स्वतंत्रता को कानूनी और न्यायसंगत आवश्यकता के रूप में देखे जाने का एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। इस भावना ने सभी को स्वतंत्र भारत के लिए कर्तव्यनिष्ठता से अपनी सक्रिय भूमिका निभाने में संपूर्ण रूप से प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे मूल, एकता और कर्तव्यपरायणता पर गर्व करते हुए औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को हटाते हुए विकसित भारत के उद्देश्य के साथ अमृत काल के पांच प्रण का आह्वान किया है। राष्ट्र निर्माण हेतु स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीयों की महत्पूर्ण भूमिका पूर्ण रूप से एक प्रेरणादायक गाथा है। जनजातीय संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के प्रति उनकी संबद्धता और सौहार्द अनुकरणीय है तथा संभ्रांत वर्ग और विकसित देशों के लिए एक सबक है जिसके माध्यम से कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की जा सकती है।

हाल ही में 01 नवंबर को मानगढ़ पहाड़ी में आयोजित मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के मुख्यमंत्रियों के साथ, गोविन्द गुरू व बलिदानी भील समाज के वीरों का श्रद्धांजलि देने उपस्थित हुए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 1913 में इसी पहाड़ी पर एकत्रित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के वंशज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। राष्ट्रीय जनजातीय केन्द्र के रूप में इसका विकास राष्ट्र निर्माण में जनजातीय योगदान को मान्यता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस अवसर पर घोषणा की कि मानगढ़ धाम का विकास राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र की सरकारों के समन्वित प्रयासों और सहयोग से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आदिवासी समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं देश की स्वतंत्रता में उनके योगदान और बलिदान को रेखांकित करते हुए भारत सरकार द्वारा दस राज्यों यथा - अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश, गोवा एवं केरल में जनजाति संग्रहालय विकसित किए जा रहे हैं।

भारत के विकास पथ की तुलना किसी भरे गिलास से करें तो जनजातीय विरासत का उल्लेख करना ऐसा ही होगा जैसे आधे भरे गिलास को उलट देना। अब मोदी सरकार द्वारा की गई पहलों से जनजातीय लोग सरकार की मुख्य धारा में विकास एजेंडा में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं। इस गणतंत्र के राष्ट्रपति के रूप में जनजातीय नेता द्रौपदी मुर्मू को पाकर राष्ट्र गौरवान्वित महसूस करता है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल परिषद भी 08 जनजातीय मंत्रियों से अलंकृत है। लक्षित लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाते हुए संपूर्ण परिपूर्णता करने के लिए गरीब कल्याण उपाय, जन केन्द्रित नीतियां और सुशासन के दृष्टिकोण ने उनके जीवनयापन को आसान करने की सुविधा प्रदान की है। एकलव्य मोडल आवासीय विद्यालय का निर्माण, आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना, छात्रों के लिए समर्पित छात्रवृत्ति स्कीम, सिकल सेल एनीमिया को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान, मिशन इन्द्रधनुष, अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से जनजातीय विकास, बांस को वृक्ष की परिभाषा से हटाना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जनजातीय लोगों की क्षमता को विकसित करने में सहायता कर रहे हैं। संशोधनों के माध्यम से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) सुदृढ़ करने से उनके विरुद्ध अत्याचारों का प्रभावी निवारण हुआ है। समग्र रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण सामाजिक न्याय की एक नई परिभाषा तैयार हो रही है।

आज हम मानगढ़ के शहीदों और विस्मृत वीरों के उत्कृष्ट बलिदान को याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आइए, समकालीन अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर एक व्यावहारिक समस्या-निवारक के रूप में, एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहे एक नए भारत के निर्माण हेतु उन स्वतंत्रता सेनानियों की नैतिकता के साथ हम अपने मूल्यों को एक साथ सार्थक करें। आइए, अपने अतीत को जानें, अदम्य विरासत को आगे बढ़ाएं और आने वाली पीढ़ी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य प्राप्त होने हेतु सांस्कृतिक मूल्यों से सीख प्राप्त करें। यह एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सोच समझकर चिंतन-मनन करने और कार्य करने का समय है।

जहरीली हवा से छुटकारा कब

पत्रलेखा चटर्जी

नवंबर के महीने में क्या कभी प्रदूषित हवा से छुटकारा मिल सकता है? अगर आप दिल्ली में रहते हैं, या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र या उत्तर भारत के किसी भी इलाके में रहते हैं, तो यह ऐसा समय है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स-एक्यूआई) हर रोज चर्चा का विषय बन जाता है। हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जब हवा की गुणवत्ता में थोड़ा-सा भी सुधार होता है और हवा की गुणवत्ता को 'गंभीर' या 'खतरनाक' के बजाय 'खराब' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो जश्न मनाने लगते हैं।

लेकिन आंशिक रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, औद्योगिक एवं वाहनों के धुएं तथा सड़कों की धूल की वजह से दिल्ली की जहरीली, धुएं से भरी हवा उन सभी लोगों के लिए आम बात हो गई है, जो इस शहर में रहते हैं। यह खबर बन जाती है, क्योंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। हर साल सर्दियों में हवा में विषाक्तता कई कारणों से बढ़ जाती है, जिसमें हवा की कम गति, त्योहार की आतिशबाजी और पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा फसल अवशेषों को जलाना शामिल है।

मानव स्वास्थ्य पर इसके भयंकर दुष्प्रभावों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। मगर भारत में वायु प्रदूषण न तो दिल्ली तक सीमित है और न ही सर्दियों तक और न ही शहरों तक। वायु प्रदूषण के बारे में सभी गर्मागर्म चर्चाओं में, जिस बात को अक्सर नजर अंदाज किया जाता है वह है, लोगों के विभिन्न समूहों पर वायु प्रदूषण का अलग-अलग प्रभाव। प्रदूषित हवा सबको प्रभावित करती है, लेकिन समान रूप से नहीं। जिन लोगों को अपनी आजीविका के लिए बाहर रहने की आवश्यकता होती है, वे प्रदूषित हवा से अधिक प्रभावित होते हैं।

निवास स्थान भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सघन औद्योगिक या व्यावसायिक स्थानों के पास रहने वाले गरीब लोग घर के साथ-साथ काम पर भी औद्योगिक प्रदूषण के अधिक जोखिम का सामना करते हैं। इस आलेख को लिखे जाने के समय दिल्ली का एक्यूआई कुल मिलाकर 295 है, लेकिन दिल्ली में हर कोई एक ही तरह की जहरीली हवा में सांस नहीं ले रहा है। प्रमुख परिवहन केंद्र आनंद विहार, जहां वाहनों के उत्सर्जन और सड़क की धूल की उच्च सांद्रता है और साहिबाबाद का औद्योगिक क्षेत्र तथा पास में स्थित गाजीपुर लैंडफिल का एक्यूआई 342 से ऊपर है।

उन लोगों की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिनके पास दिन के अधिकांश समय बाहर रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जैसे रिक्शा चालकों, सड़क पर दुकान लगाने वालों को जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है।

इसके विपरीत, यदि आप दिल्ली के मध्य में स्थित लक्जरी होटल, द ओबेरॉय के मनोरंजन कक्ष में जाते हैं, तो आपको एक संकेत दिखाई देगा कि होटल सुइट्स के भीतर एक्यूआई 10 से कम है। पांच नवंबर को इस लक्जरी होटल के भीतर एक्यूआई वास्तव में सिर्फ तीन था, जबकि उस दिन दिल्ली का कुल एक्यूआई 444 था।

इस लक्जरी होटल का कहना है कि इसमें अत्याधुनिक केंद्रीकृत वायु शोधन प्रणाली है, जो ग्राहकों के होटल के कमरे में आने और होटल के अन्य हिस्सों में सांस लेने पर हवा को मौलिक रूप से साफ करती है।

ओबेरॉय के एक वेटर ने मुझे बताया कि वह केवल स्वच्छ हवा के लाभ के कारण होटल के अंदर लंबे समय तक रहने से खुश है और जब उसने होटल से बाहर कदम रखा, तो उसने मास्क पहना था। अति समृद्ध भारतीय अब एयर प्यूरिफायर लगाकर, घर के अंदर अधिक 'संरक्षित हवा' में खुद को बचाना चाहते हैं और बाहर निकलते समय मास्क लगाते हैं।

यह मदद तो करता है, लेकिन केवल आंशिक रूप से, क्योंकि एयर ख़यूरीफायर पर काफी पैसे खर्च होते हैं और प्रत्येक कमरे को शुद्ध करने में बहुत खर्च आता है। इसके अलावा, हममें से बहुत कम लोग ही हमेशा स्वच्छ हवा वाले परिसरों में कैद होकर रह सकते हैं। दिल्ली की प्रसिद्ध सुंदर नर्सरी ने एक आउटडोर एयर प्यूरीफायर भी लगाया है, लेकिन इसका प्रभाव इसके आसपास तक ही सीमित है। बाकी लोग क्या करें? विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग वायु प्रदूषण को लेकर ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

भारत में शहरी वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच करने वाले 2011 के एक शोध पत्र ने निष्कर्ष निकाला कि ऐसा प्रदूषण विशेष रूप से गरीब लोगों के लिए हानिकारक है। उस शोध पत्र में बताया गया कि 'कम आय वाले लगभग 74 फीसदी लोग सालाना चौबीसों घंटे के औसत 150 माइक्रोग्राम/घन मीटर से अधिक पीएम 10 सांद्रता स्तर में रहते हैं, जबकि मध्यम या उच्च आय वाले लोगों का यह आंकड़ा लगभग 58 फीसदी है। आवासीय क्षेत्रों के लिए सुरक्षित स्तर का मानक 60 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक है।'

ये मुद्दे समानता से संबंधित हैं; उन्हें जहरीली हवा और इसके कारण होने वाली उच्च मृत्यु दर और बीमारी के बोझ के बारे में चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। हाल ही में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यह सभी चार राज्य सरकारों की विफलता के कारण है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाई जा रही है, जिससे हवा में भारी प्रदूषण हो रहा है। आयोग ने कहा कि किसान 'मजबूरी में' पराली जला रहे हैं और यह चार राज्य सरकारों की 'विफलता' के कारण हो रहा है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि 'राज्य सरकारों को उन पराली से छुटकारा पाने के लिए हार्वेस्ट मशीनें उपलब्ध करानी चाहिए, लेकिन वे पर्याप्त संख्या में आवश्यक मशीनें और अन्य उपाय उपलब्ध कराने में विफल रही हैं; नतीजतन, किसान पराली जलाने को मजबूर हैं, जिससे प्रदूषण होता है। इसलिए, कोई भी राज्य पराली जलाने के लिए किसानों को दोष नहीं दे सकता है।'

ऐसे में उम्मीद करनी चाहिए कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस पर और वायु प्रदूषण में योगदान देने वाले अन्य कारकों पर एकमत हों और समस्याओं को सुलझाएं। जहरीली हवा हमें मार रही है; वायु प्रदूषण के चलते हमारे बच्चों का जीवन और भविष्य दांव पर है।

सियांग नदी को चीन से खतरा

पंकज चतुर्वेदी

पिछले एक हफ्ते से जैसे ही सियांग नदी का पानी मटमैला होना शुरू हुआ, उसके किनारे बसे लोगों में आशंका और भय समा गया है। पहले भी जब-जब नदी का पानी गंदला हुआ, इस तेज गति वाली नदीं में ऊंची-ऊंची लहरें उठीं और सैकड़ों लोगों के खेत-घर उजड़ गए। इससे पहले अक्तूबर-2017, दिसंबर-2018 और वर्ष 2020 में भी इस नदी का पानी पूरी तरह काला हो गया था और इसका खामियाजा यहां के लोगों को महीनों तक उठाना पड़ा था।

सियांग नदी का उद्भव पश्चिमी तिब्बत के कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील से दक्षिण-पूर्व में स्थित तमलुंग त्सो (झील) से हुआ है। तिब्बत में 1,600 किलोमीटर के रास्ते में इसे यरलुंग त्संगपो कहते हैं। भारत में दाखिल होने के बाद इसे सियांग नाम से जाना जाता है। आगे 230 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह लोहित नदी से जुड़ती है। अरुणाचल के पासीघाट से 35 किलोमीटर नीचे उतरकर यह दिबांग नदी से जुड़ती है। फिर यह ब्रह्मपुत्र में परिवर्तित हो जाती है।

सियांग नदी में उठती रहस्यमयी लहरों के कारण लोगों में भय व्याप्त हो जाता है। आम लोग इसके पीछे चीन की साजिश मानते हैं। सभी जानते हैं कि चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर दावा करता है और यहां वह आए दिन कुछ-न-कुछ हरकतें करता रहता है। इसी साल एक नवंबर की रात सियांग से तेज आवाजें आने लगीं और देखते ही देखते नदी का पानी गहरा काला और गाढ़ा हो गया। नदी का पानी पीने के लायक भी नहीं रहा। वहां मछलियां भी मर रही हैं।

नदी के पानी में सीमेंट जैसा पतला पदार्थ होने की बात जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कही थी। सनद रहे, सियांग नदी के पानी से ही अरुणाचल प्रदेश की ख़यास बुझती है, तब संसद में भी इस पर हल्ला हुआ था। चीन ने कहा था कि उसके इलाके में 6.4 तीव्रता वाला भूकंप आया था, संभवतया यह मिट्टी उसी के कारण नदी में आई होगी। हालांकि भूगर्भ वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड में ऐसा कोई भूकंप उस दौरान चीन में महसूस नहीं किया गया था। सियांग नदी में यदि कोई गड़बड़ होती है, तो अरुणाचल प्रदेश की बड़ी आबादी का जीवन संकट में आ जाता है। पीने का पानी, खेती, मछली-पालन सभी कुछ इसी पर निर्भर हैं। सबसे बड़ी बात सियांग में प्रदूषण का सीधा असर ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी और उसके किनारे बसे सात राज्यों के जनजीवन व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। असम के लखीमपुर जिले में पिछले साल आई कीचड़ का असर आज भी देखा जा रहा है। वहां के पानी में आज भी आयरन की मात्रा सामान्य से अधिक पाई जा रही है।

तिब्बत में यारलुंग सांगपो (सियांग) नदी को शिनजियांग प्रांत के ताकलीमाकान की ओर मोड़ने के लिए चीन दुनिया की सबसे लंबी सुरंग के निर्माण की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर चीन ऐसी किसी योजना से इनकार करता रहा है। पर यह बात किसी से छिपी नहीं है कि चीन ने इस नदी को जगह-जगह रोककर यूनान प्रांत में आठ जल-विद्युत परियोजनाएं शुरू की हैं, क्योंकि इस नदी का सारा प्रवाह नियंत्रण चीन के हाथ में है।

मई-2017 में चीन भारत के साथ सीमावर्ती नदियों की बाढ़ आदि के आंकड़े साझा करने से इनकार कर चुका है। वह जो आंकड़े हमें दे रहा है, वह किसी काम का नहीं है। वैसे यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हिमालय के ऊपरी हिस्से सर्वाधिक संवेदनशील हैं और इसका असर वहां से निकलने वाली नदियों पर तेजी से पड़ रहा है। भले ही चीन के वादों के आधार पर केंद्र सरकार भी कहे कि चीन अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कोई खनन कार्य नहीं कर रहा है।

लेकिन हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइन मार्निंग पोस्ट की 2018 की रिपोर्ट बताती है कि अरुणाचल सीमा से सटे क्षेत्र में वह खनन कार्य कर रहा है, क्योंकि उसे स्वर्ण अयस्क के करीब 60 अरब डॉलर के भंडार मिले हैं। इसलिए सियांग नदी के पानी के मटमैले होने या ऊंची होने के पीछे चीन की हरकतें हो सकती हैं। केंद्र सरकार को चीन की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, वर्ना जल प्रलय का असर परमाणु बम से भी भयंकर होगा।

सैर कर दुनिया की

सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगेए यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोकेर्लिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें।

मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्तें भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

चीन ने कोरोना लॉकडाउन में क्रूरता की सारी हदें पार कीं

– गुआंगझाऊ में भड़की जनता ने किया विद्रोह, वीडियो वायरल

बीजिंग । दुनिया में जब कोरोना लॉकडाउन को लगभग पूरी तरह से हटा लिया है, वहीं चीन में जीरो कोविड नीति के नाम पर इसे क्रूरतापूर्वक लागू किया जा रहा है। चीन के बेहद अहम दक्षिणी शहर गुआंगझाउ में रहने वाले लोग इस क्रूरता के खिलाफ भड़क उठे और विद्रोह कर दिया। चीनी जनता ने खुद को घरों ही 'कैद' करने के लिए बनाए गए बैरियर को तोड़ दिया। यही नहीं वे सड़क पर आ गए और शी जिनपिंग के कोरोना नियमों को खारिज कर दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर शेयर किया जा रहा है। इन वीडियो में भारी भीड़ नजर आ रही है जो इस आजादी का जश्न मना रही है। उन्होंने शाम को अंधेरा होने के बाद बैरियर को तोड़ दिया। इस इलाके में पिछले 5 नवंबर से ही बेहद सख्त कोरोना लॉकडाउन लगा हुआ है। शहर के मुख्य इलाके में कोरोना के कई मामले सामने आए हैं। एक वीडियो में तो कोरोना वर्कर हजामत सूट पहनकर बगल में खड़े हैं और बैरियर टूट चुका है। वे स्थानीय लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें सुना जा सकता है कि एक महिला कह रही है, वे विद्रोह कर रहे हैं। यह वीडियो हैझू जिले का बताया जा रहा है। यह अभी तक स?पष्?ट नहीं हो सका है कि कितने लोग इस विरोध प्रदर्शन में शामिल थे और यह कितनी देर तक चला था। बाद में इस घटना के वीडियो को तेजी से चीन के सोशल मीडिया से हटा दिया गया। कम्युनिस्ट चीन में जनता का विरोध प्रदर्शन बहुत ही दुर्लभ घटना मानी जाती है। इसकी वजह यह है कि चीनी अधिकारी विद्रोह करने वालों या विरोध में आवाज उठाने वालों को कुचल देते हैं। माना जा रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन शी जिनपिंग की विवादित जीरो कोविड नीति के खिलाफ भड़क रहे जनता के गुस्से का प्रतीक है। गुआंझाऊ में मंगलवार को कोरोना के 5100 मामले सामने आए थे। इस बीच चीन की जीरो कोविड नीति के तहत परिसर में बंद विश्वविद्यालय के छात्र समूह खुद में रेंगने और कार्डबोर्ड से पालतू जानवर बनाने जैसे अजीब शौक विकसित कर रहे हैं। टिप्पणीकारों और समाचार रिपोर्टों के अनुसार छात्र समूह की हरकतें देखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानाकरी दी गई। आरएफए ने बताया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया साइटों पर अपलोड किए गए वीडियो क्लिप में युवाओं के एक समूह को कॉलेज के खेल मैदान पर एक सर्कल में एक-दूसरे के बाद रेंगते हुए देखा गया है। इसने दर्शकों को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया कि यह कैंपस में महीनों तक लॉकडाउन चलने की प्रतिक्रिया थी। चीन की कम्युनिकेशंस यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने कहा कि वे इस गतिविधि को देख रहे हैं। आरएफए के मुताबिक, सोशल मीडिया यूजर्स ने बीजिंग स्थित सिंघुआ यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स सहित अन्य विश्वविद्यालयों में चल रही इसी तरह की गतिविधियों के वीडियो क्लिप शूट किए। सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरें भी प्रसारित हो रही थीं, जिनमें कहा गया था कि ईस्ट चाइना नॉर्मल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने परिसर में अकेले रेंगते हुए एक छात्र की तस्वीरें लीं और उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए कुछ सुरक्षा गार्डों को खेल मैदान में भेजा।

पाकिस्तान-अफगान सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद तीसरे दिन भी बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक अहम सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद लगातार तीसरे दिन मंगलवार को भी बंद रही। इस गोलीबारी में पाकिस्तान अर्द्धसैन्य बल के एक कर्मी की मौत हो गयी। घटना के बाद से ही यहां के जरिये दोनों देशों के बीच व्यापार रुक गया। बलूचिस्तान में चमन सीमा रविवार को उस समय बंद कर दी गयी थी जब अफगानिस्तान की ओर से एक सशस्त्र व्यक्ति ने बाब-ए-दोस्ती के समीप पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों पर गोलियां चलायी जिसमें अर्द्धसैन्य बल फ्रंटियर कोर (एफसी) के एक जवान की मौत हो गयी। गोलीबारी में दो अन्य जवानों को चोटें आयी हैं। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने इस घटना के बाद अफगानिस्तान के साथ व्यापार रोक दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''सीमा पर लगातार तीसरे दिन द्विपक्षीय व्यापार और आव्रजन प्रणाली रोक दी गयी है तथा पैदल आने-जाने वाले लोग के लिए रास्ता बंद कर दिया गया है।'' चमन दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीमा चौकी है। ऐसा बताया जा रहा है कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार आतंकवादी खुद को तालिबानी अधिकारी बता रहा था। उसकी तलाश चल रही है। अफगानिस्तान के स्पिन बोल्दाक जिले की सीमा से लगते चमन शहर के उपायुक्त अब्दुल हमीद जेहरी ने मीडिया को बताया कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानियों को उनकी पहचान की पुष्टि करने के बाद देश में प्रवेश करने दिया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा, ''पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर समस्याओं पर चर्चा करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता की जा रही है और दोनों पक्षों के बीच मंगलवार को बैठक होने की उम्मीद है।'' उन्होंने बताया कि जब तक इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए जिम्मेदार शख्स को पाकिस्तानी प्राधिकारियों को नहीं सौंपा जाता है तब तक सीमा बंद रहेगी। उपायुक्त ने यह भी कहा कि जिला अस्पताल के साथ ही सीमा के समीप इलाकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सामान से भरे सैकड़ों ट्रक सीमा के दोनों ओर फंसे हैं। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि चमन में सीमा चौकी फिर से कब खुलेगी।

एक करोड़ 77 लाख में नीलाम हुई एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की सैंडिल

लास एंजेल्स । कैलिफोर्निया का वह घर जहां स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर एप्पल कंपनी की स्थापना की थी, वह अब एक ऐतिहासिक स्थल है। एक नीलामी घर के मुताबिक यहां रहने के दौरान जॉब्स ने जो सैंडल पहने थे, वे लगभग 220,000 डॉलर (17719509.28 रुपये) में बेचे गए हैं। नीलामी घर जूलियन्स ऑक्शन ने बताया कि 1970 के दशक के मध्य में बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल किए गए ब्राउन कलर के इस सैंडल को स्टीव जॉब्स काफी लंबे समय तक पहनते रहे थे। इस सैंडल ने एक जोड़ी सैंडल के लिए अब तक की सबसे अधिक कीमत का रिकॉर्ड बनाया है। नीलामी घर ने अपनी वेबसाइट पर लिस्टिंग में कहा कि कॉर्क और जूट के फुटबेड पर स्टीव जॉब्स के पैरों की छाप इतने साल बाद भी बरकरार है। जो इस सैंडल के कई साल लगातार पहनने के बाद बन गए थे। जूलियन ऑक्शन ने कहा कि उसे सैंडल के 60,000 डॉलर में बिकने की उम्मीद थी। लेकिन एनएफटी के साथ अंतिम बिक्री मूल्य 218,750 डॉलर था। बहरहाल जूलियन ऑक्शन ने एप्पल के को-फाउंडर की इस ऐतिहासिक सैंडल को खरीदने वाले शख्स के नाम का खुलासा नहीं किया है। स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक ने 1976 में कैलिफोर्निया के लॉस अल्टोस में जॉब्स के माता-पिता के घर में एप्पल की सह-स्थापना की थी। 2013 में लॉस अल्टोस हिस्टोरिकल कमीशन द्वारा इस घर को एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के तौर पर नामित किया गया था। गौरतलब है कि 2011 में अग्नाशय के कैंसर के कारण स्टीव जॉब्स का निधन हो गया। जॉब्स को भारत के अध्यात्म से बेहद लगाव था और वे भारत के दर्शन से भी काफी गहराई से प्रभावित थे। स्टीव जॉब्स नीम करौली बाबा के भक्त थे।

सेक्स चेंज कराकर कोरियन महिला बना युवक बोला- बड़ी गलती हो गई

लंदन । एक शख्स ने कोरियाई महिला की तरह दिखने के लिए 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई। सर्जरी पर उसने पिछले 8 सालों में 2 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर डाले। हालांकि, अब उसका मन बदल गया है। उसने घोषणा की है कि वह फिर से पुरुष बनना चाहता है। शख्स ने कहा कि 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाने के लिए मैंने जो किया वह एक बड़ी गलती थी। 'ट्रांसरेशियल' शख्स खुद को अपनी नस्ल से जोड़कर नहीं देखता। वह खुद को एक अलग नस्ल का मानता है। ब्रिटेन में जन्मे 32 साल के ओली लंदन भी इसी सोच के थे। ओली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और टीवी पर्सनलिटी हैं। यूं तो ओली ब्रिटिश हैं, मगर वह खुद को कोरियन बनाने पर तुले थे। इसके लिए ओली ने 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई और खुद को कोरियाई महिला के रूप में परिवर्तित कर लिया। ओली 'ट्रांसरेशियल' के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही कोरियाई पॉप-स्टार पार्क जी मिन की तरह दिखना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने अपनी सर्जरी करवानी शुरू कर दी और उस पर 2 करोड़ 18 लाख से अधिक रुपये खर्च कर दिए। उनके इस कदम पर विवाद भी हुआ। हालांकि, दर्जनों सर्जरी करवाने के बाद अब ओली का मन बदल गया है। उन्होंने कहा कि मैं 'ट्रांसरेशियल' नहीं हूं और एक पुरुष के रूप में रहना शुरू कर रहा हूं। 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाना मेरी बड़ी गलती थी। मैं सिर्फ पुरुष बनना चाहता हूं।

इस्तांबुल में रविवार को हुए धमाके में मारे गये लोगों की याद में पुष्प अर्पित करते हुए लोग।

रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले किए

कीव। रूस ने यूक्रेन के पूर्व से लेकर पश्चिमी इलाके तक मंगलवार को ऊर्जा तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले किए जिससे बड़े पैमाने पर बत्ती गुल हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगाह किया कि स्थिति ''गंभीर'' है तथा उन्होंने यूक्रेनी नागरिकों से ''कठिन परिस्थितियों में मजबूत बने रहने'' का आग्रह किया। इन हवाई हमलों में राजधानी कीव में एक रिहायशी इमारत में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ये हमले ऐसे वक्त में किए गए हैं जब यूक्रेन ने गत सप्ताह दक्षिणी शहर खेरसॉन पर फिर से कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की। कम से कम 12 क्षेत्रों में हमले हुए। यूक्रेनी वायु सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि रूस ने करीब 100 मिसाइलें दागी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह संख्या 85 बतायी। जेलेंस्की ने आगाह किया कि और हमले हो सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा, ''हम हर चीज से उबर जाएंगे।'' अधिकारियों ने जिन इलाकों में हमले होने की जानकारी दी है उनमें पश्चिम में लीव, झितोमिर, खमेलनीत्स्की और राइन तथा उत्तरपूर्वी में यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर खारकीव शामिल है। जेलेंस्की के पैतृक शहर क्रीवी रीह में भी हमले हुए।

इंडोनेशिया ने भारत को सौंपी जी-20 की अध्यक्षता, पीएम मोदी बोले हमारी ओर आशा से देख रही है दुनिया

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता अब भारत को मिल गई है। शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन बुधवार को इंडोनेशिया ने जी-20 की अध्यक्षता भारत को सौंप दी। जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया और कहा कि दुनिया को जी20 से काफी उम्मीदे हैं और वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

बाली के इंडोनेशिया में 1 दिसंबर से भारत को मिल रही जी20 की अध्यक्षता को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है, जब विश्व जियो पॉलिटिकल तनावों, आर्थिक मंदी और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों और महामारी के दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय विश्व जी-20 के तरफ आशा की नज़र से देख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया के सराहनीय इनिशिएटिव यानी पहल को आगे बढ़ाने का भरसक प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत सुखद संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप, बाली में ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। आज आवश्यकता है कि विकास के लाभ सर्वस्पर्शी और समावेशी हों। हमें विकास के लाभों को ममभाव और समभाव से मानव मात्र तक पहुंचाना होगा। वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और क्रिया-उन्मुख होगी। हमारा प्रयत्न रहेगा की जी-20 नए विचारों की परिकल्पना और सामूहिक एक्शन को गति देने के लिए एक ग्लोबल प्राइम मूवर की तरह काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने जी-20 एजेंडा में महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता देनी होगी। मैं एक बार फिर अपने मित्र राष्ट्रपति जोकोवी का अभिनन्दन करना चाहता हूं। उन्होंने इस कठिन समय मे जी-20 को कुशल नेतृत्व दिया है और मैं आज जी-20 समुदाय को बाली डिक्लेरेशन के अनुमोदन के लिए भी बधाई देता हूं। भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया की सराहनीय पहलों को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत शुभ संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप बाली मे ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है जब विश्व भू राजनीतिक तनावों, आर्थिक मंदी, खाद्यान्न और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों, और महामारी के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय, विश्व जी-20 की तरफ आशा की नजर से देख रहा है। आज मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता इन्क्लूसिव, एंबीशस, डिसीसिव, और एक्शन ओरिएंटेड होगी।

पोलैंड पर हुए मिसाइल हमले का सामने आया सच, रूस ने नहीं बल्कि यूक्रेन की सेना ने किया था हमला

नुसा दुआ (एजेंसी)। प्रारंभिक जांच के अनुसार पोलैंड में गिरी मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूस द्वारा दागी गई मिसाइल के जवाब में प्रक्षेपित किया था। इस बात का खुलासा अमेरिका के एक अधिकारी द्वारा किया गया हैं। समाचार एजेंसी एपी ने बताया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि पोलैंड में जो मिसाइल गिरी थी वह यूक्रेनी बलों द्वारा एक आने वाली रूसी मिसाइल पर दागी गयी थी। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने एपी को बताया कि प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि पोलैंड पर हमला करने वाली मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूसी मिसाइल पर दागा था। पोलैंड के अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की सीमा से लगभग 6 किलोमीटर (3-1/2 मील) दूर पूर्वी पोलैंड के एक गांव प्रेज़वोडो में एक विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। पूर्वी पोलैंड में हुए एक घातक विस्फोट के बाद बाइडेन ने इंडोनेशिया के बाली में जी20 बैठक के लिए एकत्रित हुए वैश्विक नेताओं के साथ आपातकालीन बैठक बुलाई। इससे पहले एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने एपी को बताया कि रूसी मिसाइलें पोलैंड में घुस गईं। राष्ट्रपति जो बाइडेन, जो जी20 शिखर सम्मेलन के लिए बाली, इंडोनेशिया में हैं, ने बुधवार को कहा कि पोलैंड- एक नाटो सदस्य देश। पोलैंड में गिरी मिलाइल में कम से कम 2 लोग मारे गए थे। उन्होंने इस बात से इंकार किया था कि रूस ने पोलैंड पर ये मिसाइल छोड़ी हैं। नाटो-सहयोगी पोलैंड ने कहा कि 'रूस-निर्मित' मिसाइल ने यूक्रेन सीमा के पास अपने देश के पूर्वी हिस्से में दो लोगों की जान लेने के बाद परामर्श के लिए इंडोनेशिया में जी 7 और नाटो नेताओं की एक आपातकालीन बैठक बुलाई। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वे पोलैंड के क्षेत्र में हुए मिसाइल हमले में 'वास्तव में क्या हुआ' की जांच में उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि इसे शायद ''रूस से' नहीं दागा गया था - मिसाइल के प्रक्षेपवक्र का हवाला देते हुए।

एलन मस्क ने ट्विटर इंडिया के 90 फीसदी कर्मचारियों को निकाला, अब कहा- एप इंडिया में करता है बहुत स्लो काम

लंदन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने जब से ट्विटर की कमान संभाली है तब से वो लगातार अपने नये-नये फैसले के जरिये सुर्खियों में बने हुए हैं। कभी ट्विटर के टॉप ऑफिसिशल्स को निकालने तो कभी ब्लू टिक पेड सर्विस जैसे फैसले ने इस माइक्रो ब्लॉगिंग साइट को लाइमलाइट में ला दिया है। अरबपति एलन मस्क के ट्विटर की कमान संभालते हुए वे बचे हुए कर्मचारियों के साथ दिन-रात काम कर रहे हैं। मस्क का मानना है कि भारत और इंडोनेशिया समेत कई देशों में ट्विटर ऐप काफी स्लो है। ट्विटर बॉस इस मुद्दे को जल्द ठीक करना चाहते हैं। बड़े पैमाने पर छंटनी के दौरान मस्क ने ट्विटर इंडिया के लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क ने दूसरों की तुलना में कुछ क्षेत्रों में ट्विटर ऐप के 'स्लो' होने के लिए उपयोगकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि 'मैं कई देशों में ट्विटर के सुपर स्लो होने के लिए माफी मांगना चाहता हूं। ऐप केवल होम टाइमलाइन प्रस्तुत करने के लिए>1000 खराब बैच वाले आरपीसी कर रहा है! मस्क ने कहा कि वह और उनकी टीम प्लेटफॉर्म को गति देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन ट्विटर के कुछ कर्मचारियों का मानना है कि मस्क का आकलन गलत है। ऐसा लगता है कि अरबपति आलोचना या सुझाव लेने के मूड में नहीं है और ट्विटर पर मस्क के खिलाफ जाने वाले इंजीनियरों को निकाल दिया गया।

नाटो देश पर मिसाइल हमले से पूरी दुनिया सहम गई, कैसे पोलैंड धीरे-धीरे युद्ध का नया फ्लैशपॉइंट बन गया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका फरवीर 2022 में उस वक्त से शुरू हो गई है जब से रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमला शुरू किया है। अब यूक्रेन पर रूस के लगातार मिसाइल हमलों के बीच पश्चिमी देशों के साथ उसका तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन सीमा के पास हुए इस जोरदार हमले में पोलैंड के दो ग्रामीण मारे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जी7 देशों की बाली में आपात बैठक बुलाई और कहा कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि ये मिसाइल संभवत:रूस ने नहीं दागी थी।

नाटो सदस्य पोलैंड पर रूसी निर्मित रॉकेट गिरने और दो लोगों के मारे जाने के बाद यूक्रेन संघर्ष के अपने दायरे से इतर फैलने की संभावना तेज हो गई है। हालांकि पोलैंड पर गिरे रॉकेट को लेकर रूस ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। इंडोनेशिया में ग्रुप ऑफ 20 (जी20) के नेताओं की सभा में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्वी पोलैंड में विस्फोट और जनहानि पर नेताओं की बैठक बुलाई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि उनका देश पोलैंड में मिसाइल हमले की रिपोर्टों पर तत्काल गौर कर रहा है और सहयोगियों का समर्थन करेगा कि क्या हुआ था। सुनक ने कहा, ÷हम नाटो समेत अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं।

दरअसल, यूक्रेन रूस-बेलारूस और पोलैंड के बीच बफर रहा है। लेकिन व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के बाद से बहुत कुछ बदल गया है। यहाँ बताया गया है कि कैसे युद्ध पोलैंड की ओर खिसक रहा है। अभी सवाल यह है कि क्या यूक्रेन संघर्ष अपनी सीमाओं पर फैल सकता है जैसा कि हमेशा डर लगता है? इस साल फरवरी में रूस के आक्रमण से पहले, यूक्रेन रूस और अमेरिका के प्रभुत्व वाले पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के बीच एक रणनीतिक बफर था। लेकिन स्थिति तेजी से बदल रही है।

पाकिस्तान के ग्वादर में सीपीईसी के विरूद्ध प्रदर्शन को चीन ने कमतर कर दिखाने की कोशिश की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कार्यरत सैकड़ों चीनी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर देश में बढ़ रही चिंता के बीच सजग चीन ने ग्वादर में सीपीईसी परियोजनाओं के विरुद्ध प्रदर्शन को मंगलवार को तवज्जों नहीं देते हुए कहा कि वे (प्रदर्शनकारी) अरबों डॉलर की इस पहल के खिलाफ नहीं है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने सोमवार को खबर दी कि ग्वादर में प्रदर्शन का रविवार को 18वां दिन था और उसमें सैकड़ों बच्चे भी शामिल हो गये। प्रदर्शनकारी धमकी दे रहे हैं कि ग्वादर में मछली पकड़ने वाली अवैध नौकाओं पर पाबंदी समेत उनकी मांगें एक हफ्ते में यदि नहीं मानी गयी तो वे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाएं रोक देंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, '' ये खबरें असत्य हैं। आयोजकों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि प्रदर्शन चीनी पक्ष या सीपीईसी के विरूद्ध नहीं है।''

ट्रंप ने तो घोषणा कर दी, मगर क्या रिपब्लिकन पार्टी उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का खतरा मोल लेगी?

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हार के बावजूद बड़ी मुश्किल से व्हाइट हाउस छोड़ने वाले डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हो गये हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की दौड़ में तीसरी बार शामिल होने की घोषणा की है। उन्होंने मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन और मार-आ-लागो क्लब सहित अन्य मामलों में अपने खिलाफ जारी कानूनी जांच के बीच यह घोषणा की है। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार करने से इंकार करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को अपना उम्मीदवार बनाने पर विचार करेगी या नहीं, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। ट्रंप के हार नहीं स्वीकार करने और उनके कथित भड़काऊ भाषणों के बीच उनके समर्थकों ने छह जनवरी को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल हिल) में हिंसा की थी।

पाम बीच स्थित मार-आ-लागो क्लब में अमेरिका के 30 झंडों और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे वाले बैनर के बीच खड़े 76 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हजारों समर्थकों, क्लब सदस्यों और पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, ''अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए मैं आज अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 2024 में फिर से न चुने जाएं। ट्रंप ने कहा, ''मैं आपकी आवाज हूं।'' इसके बाद उन्होंने 'संघीय निर्वाचन आयोग' में आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं चुनाव में इसलिए खड़ा हो रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि दुनिया ने अभी तक इस देश की असली महानता नहीं देखी है।' उन्होंने कहा कि मानो या न मानो, लेकिन हम उस शिखर पर अभी नहीं पहुंचे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका मुश्किल समय से गुजर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'हम कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स को हराएंगे, जो हमारे देश को भीतर से नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।' हम आपको बता दें कि इससे पहले, बाइडन ने कहा था कि वह फिर से चुनाव में खड़े होना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में अंतिम फैसला क्रिसमस और नववर्ष के अवकाश के दौरान लेंगे। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक सफर के बेहद नाजुक दौर में एक बार फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की घोषणा की है। वह मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की भारी जीत के बीच अपने अभियान की शुरुआत करना चाहते थे, लेकिन ट्रंप समर्थित ज्यादातर उम्मीदवारों की हार के चलते उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका। वैसे रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का समर्थन लगातार घट रहा है। हाल के महीनों में उन्हें अपने ही कुछ सहयोगियों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनका कहना है कि रिपब्लिकन पार्टी के लिए अब भविष्य के बारे में सोचने का समय आ गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसैंटिस पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए पहली पसंद बनकर उभर रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि क्या वाकई ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी मिल पाती है या नहीं। ट्रंप को अभी पहले प्राइमरी और कॉकस चुनाव जीतने होंगे उसके बाद अपनी पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में नेताओं का समर्थन हासिल करना होगा।

हाल के मध्यावधि चुनावों में जिस तरह ट्रंप समर्थित उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में हार हुई है उसके लिए ट्रंप के अड़ियल रवैये को जिम्मेदार माना गया। साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरे के प्रतीक के रूप में इस तरह स्थापित कर दिया है कि लोग उनसे खार खाने लगे हैं। ऐसे में ट्रंप की पार्टी के लिए उनको उम्मीदवार बनाना बड़ा राजनीतिक खतरा मोल लेने के बराबर होगा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार शीर्ष पर बरकरार , हेल्स ने लगायी छलांग

गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के रशीद , करेन ऊपर आये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। सूर्या टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। सूर्यकुमार ने विश्वकप की पांच पारियों में तीन अर्धशतक लगाये थे। वहीं दूसरे नंबर पर पाक बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने 22 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। जिससे अब वह रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हेल्स ने विश्वकप सेमीफाइनल में शानदार पारी खेली थी। वह इंग्लैंड की ओर से दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने 42.40 की औसत से 212 रन बनाए।

वहीं शीर्ष दस बल्लेबाजों में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी एक स्थान ऊपर आये हैं। अब वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में शानदार पारी खेली थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के रिले रुसो सातवें जबकि न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 8वें नंबर पर हैं। एरॉन फिंच नौवें और

पथुम निसांका दसवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेंदबाज सैम करन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेंदबाज सैम करेन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

एशियाई एयरगन प्रतियोगिता में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन जारी, अब तक 21 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पिस्टल निशानेबाजों ने कोरिया के डेगू में 15वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन दांव पर लगे चारों स्वर्ण पदक जीत लिए। प्रतियोगिता में अभी दो दिन और बाकी हैं और भारत 21 स्वर्ण पदक जीत चुका है। दिन की पहली पदक स्पर्धा के ऑल इंडिया फाइनल में रिद्धम सांगवान ने पलक को 16-8 से हराकर साल का अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। रिद्धम ने विश्व कप के काहिरा चरण के दौरान भी इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। एक अन्य ऑल इंडिया फाइनल में मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला जूनियर स्पर्धा में ईशा सिंह को करीबी मुकाबले में 17-15 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा के फाइनल में शिव नरवाल, नवीन और विजयवीर सिद्धू की तिकड़ी ने ली डेमयुंग, मोक जिन मुन और पार्क डेइहुन की कोरिया की टीम को 16-14 से शिकस्त दी। जूनियर पुरुष स्वर्ण में भी सागर डांगी, सम्राट राणा और वरूण तोमर की भारतीय टीम ने बाजी मारी। भारतीय तिकड़ी ने मुखामद कमालोव, नूरीद्दीन नूरीदिनोव और इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 10 मीटर एयर पिस्टल टीम पुरुष जूनियर स्पर्धा के फाइनल में एकतरफा मुकाबल में 16-2 से हराया।

खराब प्रदर्शन के कारण विलियमसन , मयंक और पूरन को उनकी आईपीएल टीम ने छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए हुई मिनी नीलामी में केन विलियमसन , मयंक अग्रवाल और निकोलस पूरन जैसे महगे खिलाड़ियों को उनके खराब फार्म के कारण इस बार शामिल नहीं किया है। इन सभी खिलाड़ियों को दस करोड़ से ज्यादा की रकम मिल रही थी। विलियमसन और पूरन जहां सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में थे वहीं मयंक पंजाब किंग्स में थे।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान विलियमसन रिलीज होने वाले सबसे महगे खिलाड़ियों में से एक हैं। सनराइजर्स ने केन को पिछले साल 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर वह टीम को सफलता नहीं दिला पाये। टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर रही। सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले सीजन में 5 मैचों में ही जीत मिली थी। इस को देखते हुए इस बार उन्हें अवसर नहीं दिया गया है।

वहीं दूसरी ओर गत सत्र में पंजाब किंग्स के कप्तान रहे मयंक अग्रवाल भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। मयंक को आईपीएल के 15वें एडिशन में पंजाब किंग्स ने 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर टीम का प्रदर्शन खराब रहा। मयंक की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स छठे स्थान पर रही। वहीं मयंक 13 मैचों में 16.33 के खराब औसत से केवल 196 रन ही बना पाये।

वहीं वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। वह गत वर्ष सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल थे। सनराइजर्स ने उन्हें अपने साथ 10.75 करोड़ में शामिल किया था। आईपीएल 2023 की मिनी नीलामी में रिलीज किए गए पूरन तीसरे सबसे महगे खिलाड़ी हैं। उन्हें भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण बाहर किया गया है।

विश्वकप की हार भुलाकर आगे बढ़ेंगे: पंड्या

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान बनाये गये ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि अब वह विश्वकप की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहते हैं और यही टीम से भी उम्मीद करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अभी से साल 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप की योजना पर काम करन होगा। पंड्या ने कहा, 'टी20 विश्व कप में मिली हार से सभी निराश हैं पर हम पेशेवर खिलाड़ी हैं। हमें इस हार को भी उसी तरीके से लेकर आगे बढ़ना होगा, जैसा हम सफलता को लेकर चलते हैं। हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा और टीम की कमजोरी को दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि अभी हमारा पूरा ध्यान न्यूजीलैंड सीरीज पर है। हम यहां बेहतर करने का प्रयास करेंगे।'

वहीं अनुभवी खिलाड़ियों के इस दौरे पर नहीं होने को लेकर पर पंड्या ने कहा, 'ये यही है कि वरिष्ठ खिलाड़ी इस बार साथ नहीं हैं पर हमारे पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। जो खिलाड़ी इस दौरे पर आए हैं। वो पिछले एक-दो साल से भारत के लिए खेल रहे हैं और इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को समझने और अपने को साबित करने का समय मिलेगा। युवा खिलाड़ियों को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। इससे टीम में नया जोश और ऊर्जा आई है। 'वहीं उन्होंने मेजबान न्यूजीलैंड को लेकर कहा कि कीवी टीम हमेशा से ही टी20 प्रारुप में चुनौती पेश करती रही है। हाल ही में टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल खेली है। एक टीम के रूप में न्यूजीलैंड हमेशा से ही आपको चुनौती देती रही है। इस बार भी हम यही उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में युवा खिलाड़ियों से हमें उम्मीद है कि वो इस चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे और टीम की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। भारत और मेजबान कीवी टीम के बीच 18 नवंबर से टी20 सिरीज शुरु होगी।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिये गुप्टिल और बोल्ट न्यूजीलैंड टीम से बाहर

ऑकलैंड(एजेंसी)। अनुभवी मार्टिन गुप्टिल और ट्रेंट बोल्ट को भारत के खिलाफ 18 नवंबर से शुरू हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड टीम से बाहर कर दिया गया है। सलामी बल्लेबाज गुप्टिल को उदीयमान खिलाड़ी फिन एलेन को मौका देने के लिये बाहर किया गया है जबकि बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने का फैसला करने वाले बोल्ट की जगह छह मैचों की श्रृंखला में किसी और को मौका दिया जायेगा। एलेन को टी20 और वनडे दोनों टीमों में जगह दी गई है। वह अब तक 23 टी20 और आठ वनडे खेलकर पांच अर्धशतक और एक शतक जमा चुके हैं। बोल्ट की गैर मौजूदगी में तेज आक्रमण का जिम्मा टिम साउदी, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्युसन , ब्लेयर टिकनेर और एडम मिल्ने संभालेंगे। मिल्ने ने आखिरी वनडे 2017 में खेला था। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि बोल्ट और गुप्टिल को बाहर करना आसान नहीं था लेकिन टीम को आगे की ओर देखना है। उन्होंने कहा , '' ट्रेंट ने जब अगस्त में न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध छोड़ने का फैसला किया था तभी हमने संकेत दे दिये थे कि प्राथमिकता अनुबंधित खिलाड़ियों को दी जायेगी। हमें आगे की ओर देखना है और दूसरों को भी मौका दिया जाना जरूरी है।'' न्यूजीलैंड और भारत दोनों टीमों के लिये यह श्रृंखला अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी का मौका है। स्टीड ने कहा,'' विश्व कप में अब एक साल से भी कम समय बचा है लिहाजा फिन को अनुभव दिये जाने की जरूरत है, खासकर भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ।'' केन विलियमसन दोनों प्रारूपों में कप्तान होंगे। श्रृंखला का कार्यक्रम =18 नवंबर =पहला टी20, वेलिंगटन 20 नवंबर , दूसरा टी20, तौरंगा 22 नवंबर , तीसरा टी20 , नेपियर 25 नवंबर , पहला वनडे, आकलैंड 27 नवंबर , दूसरा वनडे, हैमिल्टन 30 नवंबर , तीसरा वनडे, क्राइस्टचर्च।

फीफा विश्व कप पांच अरब लोग देखेंगे : इनफेंटिनो

बाली । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) के प्रमुख जियानी इनफेंटिनो ने कहा है कि 20 नवंबर से कतर में होने वाले विश्व कप को दुनिया भर में पांच अरब लोग देखेंगे । इनफेंटिनो अभी बाली में जारी जी 20 देशों के सम्मेलन में हिस्सा भाग लेने इंडोनेशिया आये हैं । इनफेंटिनो ने इस दौरान दुनिया भर के नेताओं से आपसी तनाव और संघर्षों को समाप्त कर विश्व कप फुटबॉल का आनंद लेने की अपील की । इनफेंटिनो ने कहा, 'विश्व कप खुशी और एकता का अवसर होना चाहिए । इसे उम्मीद का सन्देश देना चाहिए ।' फीफा अध्यक्ष ने कहा कि फुटबॉल खेल के साथ ही एक आर्थिक गतिविधि के तौर पर भी अहम भूमिका निभाता है । इससे लाखों नौकरियां पैदा होती हैं और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है । इनफेंटिनो को उम्मीद है कि कतर में विश्व कप को दुनिया में पांच अरब लोग देखेंगे जो दुनिया की आधी आबादी से ज्यादा है। दुनिया की आबादी आठ अरब है । वहीं वर्ष 2031 में फीफा महिला विश्व कप की मेजबानी की दावेदारी को लेकर इनफेंटिनो ने कहा, फ़यह योजना और चीन की फुटबॉल क्लबों और युवा फुटबॉल में लिप्तता से क्षेत्रीय असंतुलन का समाधान करने में मदद मिलेगी और यह खेल के सम्पूर्ण विकास के लिए जरुरी है।

फीफा 2022 : मेसी ने इन तीन देशों को माना विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार

स्पोर्ट्स डेस्क । कतर में फीफा विश्व कप खिताब जीतने के लिए अर्जेंटीना सबसे प्रबल दावेदारों में से एक मानी रही है। लियोनल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना 36 साल के सूखे को खत्म करने की उम्मीदों के साथ फीफा विश्व कप में उतरेगी, लेकिन कप्तान मेसी का मानना है कि उनके खिताब जीतने के राह पर तीन देश ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं । लियोनल मेसी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'जब भी हम कतर में होने वाले फीफा विश्व कप की दावेदार टीम के बारे में विचार करते हैं, तो मुझे लगता है कि ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड बाकी टीमों से ऊपर रहने वाली हैं । यह विश्व कप बहुत कठिन और जटिल है कि आगे कुछ भी हो सकता है । हमारे पास टीम में कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं, जो विश्वकप खेलने के लिए काफी उत्साहित है ।' मेसी ने आगे कहा, 'हम टूर्नामेंट के लिए बहुत उत्साहित हैं । हमारे पास एक बहुत अच्छा समूह है जो उत्साही है, लेकिन हम चीजों को थोड़ा-थोड़ा करके आगे बढ़ा रहे हैं । हम उम्मीद करते हैं कि हम विश्व कप की शुरुआत बेहतरीन तरीके से करेंगे ताकि बाद में आने वाली हर चीज का सामना कर सकें । जितना अधिक आप खेलते हैं और जितना अधिक समय आप पिच पर बिताते हैं, उतना ही आप एक-दूसरे को जानते हैं ।' गौरतलब है कि पूर्व में अर्जेंटीना दो बार फीफा विश्व कप जीत चुकी है ।अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्व कप में 22 नवंबर को सऊदी अरब के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी । अर्जेंटीना के ग्रुप-सी में मैक्सिको और पोलैंड की टीमें भी शामिल हैं । गौर हो कि मेसी इस बार अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे हैं । मेसी ने जर्मनी में 2006 के फीफा विश्व कप में सबसे पहली बार हिस्सा लिया था ।

आयरलैंड ने पाकिस्तान को 34 रन से हराया, जीती ऐतिहासिक महिला टी20 श्रृंखला

लाहौर (एजेंसी)। गैबी लेवाइस (71) और एमी हंटर (40) की विस्फोटक शतकीय साझेदारी के बाद अर्लेन केली (20/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आयरलैंड ने पाकिस्तान को तीसरे और निर्णायक महिला टी20 मुकाबले में बुधवार को 34 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। आयरलैंड ने निर्णायक मैच में पाकिस्तान को 168 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में मेजबान टीम 133 रन पर ऑलआउट हो गई। यह आयरलैंड महिला टीम का पहला पाकिस्तान दौरा था जहां एकदिवसीय सीरीज पाकिस्तान ने 3-0 से जीती थी। आयरलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का निर्णय लिया और एमी-गैबी की सलामी जोड़ी ने इसका भरपूर फायदा उठाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 110

रन की साझेदारी करके आयरलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एमी ने 35 गेंदों पर तीन चौकों के साथ 40 रन बनाए जबकि गैबी ने 46 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 71 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली। इसके अलावा ओर्ला प्रेंटरगास्ट ने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए जबकि रेबेका स्टोक्स ने 14 गेंदों पर नाबाद 17 रन की पारी खेलकर आयरलैंड को 167/4 के स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने तेज शुरुआत की लेकिन लगातार विकेट गंवाना उन्हें भारी पड़ा। सलामी बल्लेबाज जवेरिया खान ने 37 गेंदों पर सात चौके लगाकर 50 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। निदा दार ने 24 गेंदों पर 26 रन बनाए जबकि फातिमा सना ने 14 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 18.5 ओवर में 133 रन पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए केली ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि लौरा डेलानी ने 2.5 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इसके अलावा जेन माग्योर ने दो और इमर रिचडर्सन ने एक विकेट लिया।

विनेश फोगाट को बुल्गारिया में अभ्यास की मंजूरी मिली

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को बुल्गारिया के बेलमेकेन में पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता सेराफिम बरजाकोव की देखरेख में ऊंचाई वाले स्थल पर अभ्यास करने की मंजूरी दे दी है । राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता फोगाट के साथ उसके फिजियो अश्विनी पाटिल भी बेलमेकेन जाएंगे। बेलमेकेन समुद्र तल से लगभग 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है । यह 19 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिविर सात नवंबर से शुरू होगा जिसमें कुछ अन्य शीर्ष पहलवानों जैसे बिलियाना डुडोवा (2021 विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक विजेता) और एवेलिना निकोलोवा (2020 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के भी शामिल होने की संभावना है । मंत्रालय ने कहा कि विनेश और उनके फिजियो का सारा खर्च भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के तहत उठाया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, 'टॉप्स के तहत विनेश को अन्य खर्चों के लिए प्रतिदिन 50 डॉलर भी दिए जाएंगे ।' मंत्रालय टॉप्स के तहत ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया को 18-19 नवंबर तक न्यूयॉर्क में होने वाली बिल फेरेल इंटरनेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा । उसने कहा, 'इस प्रतियोगिता से बजरंग को अमेरिका में कुछ दिग्गज और उदीयमान पहलवानों से भिड़ने का मौका मिलेगा । हाल में समाप्त हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 में अमेरिका ने पुरुषों की फीस्टाइल कुश्ती में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था ।'

पारस डोगरा की नाबाद शतकीय पारी से पुडुचेरी ने सेना को हराया

मुंबई (एजेंसी)। पारस डोगरा (नाबाद 129) की नाबाद शतकीय पारी के साथ केबी अरुण कार्तिक और अंकित शर्मा की अर्धशतकों की मदद से पुडुचेरी ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ई मुकाबले में मंगलवार को यहां सेना को पांच विकेट से शिकस्त दी। डोगरा ने 121 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने कार्तिक और अंकित दोनों के साथ शतकीय साझेदारियां की। पुडुचेरी ने टॉस जीतकर सेना को बल्लेबाजी का न्योता दिया।

मुंबई के खिलाफ शतकीय पारी खेल कर सेना को जीत दिलाने वाले रवि चौहान ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा। उनकी 117 गेंद में नौ चौके और एक छक्का जड़ित पारी से टीम ने 50 ओवर में छह विकेट पर 302 रन बनाये। सेना के लिए राहुल सिंह ने 81 और कप्तान रजत पालिवाल ने 38 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी ने दूसरे ओवर में ही अपने कप्तान आर रघुपति (एक रन) का विकेट गंवा दिया।

टीम में आठवें ओवर में 42 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट भी गंवा दिया। इसके बाद डोगरा और कार्तिक (78) ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी कर मैच में पुडुचेरी की वापसी करायी। कार्तिक ने 73 गेंद की पारी में 10 चौके लगाये। डोगरा को इसक बाद अंकित (50 गेंद में 54 रन) के रूप में अच्छा साझेदार मिला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी कर मैच सेना की पकड़ से दूर कर दिया। दिन के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने अजीम काजी की 97 गेंद में सात चौके और चार छक्के जड़ित 106 रन की पारी के दम पर बंगाल को तीन विकेट से शिकस्त दी। संदीप कुमार घरामी की 132 गेंद में 127 रन की पारी से बंगाल ने छह विकेट पर 279 रन बनाये लेकिन महाराष्ट्र ने आखिरी गेंद तक चले मुकाबले को सात विकेट पर 282 रन बनाकर अपने नाम कर लिया। ग्रुप के एक अन्य मैच में रेलवे ने मिजोरम को 254 रन के बड़े अंतर से हराया।

हार के बाद नडाल एटीपी फाइनल्स से बाहर, रूड सेमीफाइनल में

तूरिन । 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता रफेल नडाल एटीपी फाइनल्स में हारकर बाहर हो गए और एक बार फिर यह खिताब जीतने का उनका सपना अधूरा रह गया । शीर्ष वरीयता प्राप्त नडाल को पहली बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे फेलिक्स आगर एलियास्मि ने 6 . 3, 6 . 4 से हराया । यह ग्रुप चरण में उनकी लगातार दूसरी हार थी । इसके अलावा तीसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने टेलर फिट्ज को हराकर नडाल का बाहर होना तय कर दिया । इस नतीजे से कार्लोस अलकाराज का साल के आखिर में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहना तय है । नडाल अपने कैरियर में दूसरी बार लगातार चार मैच हारे हैं । अमेरिकी ओपन और पेरिस के बाद यह उनकी लगातार चौथी हार थी । सत्र की शुरूआत में उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन चोट के कारण विम्बलडन सेमीफाइनल से हटना पड़ा । नडाल ने हार के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं टेनिस खेलना या मानसिक रूप से मजबूत होना भूल चुका हूं । मुझे सारी सकारात्मक चीजों को याद करके मजबूती के सथ वापसी करनी होगी ।' नडाल ने दस प्रयासों में कभी भी एटीपी फाइनल्स नहीं जीता है । वह 2010 और 2013 में उपविजेता रहे ।

विराट, रोहित के बिना भी बड़ी चुनौती पेश करेगी भारतीय टीम: विलियमसन

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के टीम में नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम में काफी गहरायी है। इसलिए इसे कम आंकना भूल होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 नवंबर से तीन मैचों की टी20 और उसके बाद इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ियों के शामिल नहीं होने को लेकर जब विलियमसन से पूछा गया तब उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में इतनी ज्यादा गहराई है कि वह मेजबान के लिये काफी कड़ी चुनौती पेश करेगी। इस सीरीज में युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को बड़े स्तर पर अपने को साबित करने का मौका दिया गया है।

विलियमसन ने अधिक क्रिकेट खेले जाने को लेकर भी चिन्ता जतायी। उन्होंने कहा कि आजकल इतना अधिक क्रिकेट खेला जा रहा है जो खिलाड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि सहयोगी स्टाफ के लिये भी परेशानी का कारण है। उन्होंने कहा, ''हर दो या तीन दिन में मैच खेल रहे हैं जिसकी अपनी चुनौतियां हैं। ऐसे में दुनिया भर में खेल के अलग अलग प्रारूपों में संतुलन बनाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, कुछ देशों के पास खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल है, जो ऐसा कर सकते हैं। सभी नहीं ऐसे में हमें खिलाड़ियों को तरोताजा बनाये रखने के लिए संतुलन बनाना होगा। '' वहीं विलियमसन से पूछा गया था कि क्या इंग्लैंड ने टी20 क्रिकेट खेलने के नये मानदंड तय किये हैं। तब उन्होंने कहा, कई मजबूत टी20 टीमें हैं और हमने टूर्नामेंट में देखा कि कई उलटफेर भी हुए हैं। इंग्लैंड ने काफी आक्रामक क्रिकेट खेला जो उनकी टीम के संतुलन के अनुरूप था। हर टीम अपनी ताकत पर काम करके उसके अनुरूप खेलना पसंद करती है।

ममेद्यारोव से करीबी मुक़ाबला हारे प्रज्ञानन्धा ,अर्जुन को डुड़ा नें हराया

सान फ्रासिस्को ,यूएसए । वर्ष 2022 चैम्पियन चैस टूर फाइनल के पहले दिन विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन , पोलैंड के यान डूडा, अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरि जीत दर्ज करने मे सफल रहे जबकि भारत के युवा ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्धा और अर्जुन एरिगासी समेत यूएसए के वेसली सो और वितयनम के ले कुयांग लिम को हार का सामना करना पड़ा ।

बंगाल को मिलेगा धनखड़ के नक्शेकमद पर चलने वाला नया राज्यपाल : सुकांत मजूमदार

कोलकाता, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि राज्य को जल्द ही एक नया राज्यपाल मिलेगा, जो पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के नक्शेकदम पर चलेंगे। भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में अपने चुनाव से पहले धनखड़ लगभग तीन वर्षों के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे और कई मौकों पर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और अन्य मुद्दों पर ममता बनर्जी सरकार के साथ उलझे रहे थे।

इस साल जुलाई में पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल के रूप में शपथ लेने वाले ला गणेशन राज्य सरकार के साथ एक सौहार्दपूर्ण संबंध रखते हैं। मणिपुर के राज्यपाल गणेशन को पश्चिम बंगाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस महीने की शुरुआत में ला गणेशन के निमंत्रण पर एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए तमिलनाडु गई थीं। मजूमदार ने एक समाचार चैनल से कहा, हमें उम्मीद है कि बहुत जल्द पश्चिम बंगाल में एक नया राज्यपाल होगा और हमें विश्वास है कि वह पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के नक्शेकदम पर चलेंगे।

पश्चिम बंगाल भाजपा के सूत्रों के अनुसार, राज्य इकाई राजभवन के कामकाज से खुश नहीं है, खासकर अखिल गिरी प्रकरण के दौरान जब तीन दिनों तक राज्यपाल से मिलने की मांग करने के बावजूद भाजपा विधायक दल को समय नहीं मिला क्योंकि वह शहर में नहीं थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद सौमित्र खान ने हाल ही में कहा था कि धनखड़ विभिन्न मुद्दों पर बहुत मुखर थे और पार्टी को उनकी कमी खलती है। लेकिन वर्तमान राज्यपाल बहुत मुखर नहीं हैं। हमें जगदीप धनखड़ की कमी खलती है। अखिल गिरि ने राष्ट्रपति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, लेकिन राजभवन ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है।

गिरि को हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रूप पर अपनी टिप्पणी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। उनकी टिप्पणियों का एक वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद उन्होंने इसके लिए माफी मांगी थी। राजभवन पर भाजपा नेतृत्व की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ टीएमसी ने कहा कि टिप्पणियां साबित करती हैं कि भगवा खेमे ने राज्यपाल के कार्यालय को अपने राज्य मुख्यालय के विस्तार में बदल दिया था। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि भाजपा ने 2019 से राजभवन को एक पार्टी कार्यालय में बदल दिया है, और हम सभी पूर्व राज्यपाल की भूमिका से अवगत हैं। वर्तमान राज्यपाल नियमों और विनियमों का पालन कर रहे हैं। भाजपा को यह समझना चाहिए कि राज्यपाल का कार्यालय उनका पार्टी कार्यालय नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मंत्री बीरबाहा हंसदा ने उनके और तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य विधायक के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कराई। हंसदा ने झारग्राम पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि वह और बिनपुर के टीएमसी विधायक देबनाथ हंसदा उनके तलवे के नीचे हैं।

झारग्राम विधायक हंसदा ने आरोप लगाया कि टीएमसी के दोनों विधायक आदिवासी हैं, इसलिए उनके खिलाफ यह टिप्पणी की गई है। हंसदा ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित किया जा रहा है जिसमें अधिकारी यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि बीरबाहा हंसदा और देबनाथ हंसदा उनके तलवे के नीचे हैं। वह इस तरह की टिप्पणी इसलिए कर सके हैं, क्योंकि हम आदिवासी हैं। हंसदा ने कहा, मुझे यह सोचकर घृणा होती है कि एक सज्जन व्यक्ति इस तरह की भी टिप्पणी कर सकते हैं। एक आदिवासी के तौर पर मैं इस टिप्पणी की निंदा करती हूं। मैंने उनके खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

नामांकन वापस लेने वाले आप नेता कंचन जरीवाला बोले- कार्यकर्ता मांग रहे थे पैसे, नहीं पूरी कर सकता मांग

अहमदाबाद, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात चुनाव का रण काफी रोचक होता जा रहा है। आम आदमी पार्टी के सूरत (पूर्व) से उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने बुधवार को अपना नामांकन वापस ले लिया है। उन्होंने अपना बयान भी जारी किया कि उन्होंने किसी के दवाब में नहीं बल्कि स्वेच्छा से अपना नामांकन वापस लिया था। इससे पहले आप ने भाजपा पर जरीवाला को अगवा करने और जबरन नामांकन वापसी का दबाव बनाने का आरोप लगाया था।

वहीं, जरीवाला ने अपनी ही पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे साथ कुछ फैमिली मैटर हो गया था। इसलिए ही मैंने अपना नामांकन वापस लिया। भाजपा ने मेरे ऊपर कोई दबाव नहीं डाला और न ही मैंने किसी के दबाव में अपना नामांकन वापस लिया। मैं आम आदमी पार्टी में हूं या नहीं इस पर मैं जल्द ही स्टैंड क्लियर करुंगा।

उन्होंने आगे कहा कि मेरे प्रचार के दौरान लोग मुझसे पूछते थे कि मैं एक देश-विरोधी और गुजरात विरोधी पार्टी का उम्मीदवार क्यों बना? इसके बाद मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और मैंने बिना किसी दबाव के अपना नामांकन वापस ले लिया। मैं ऐसी पार्टी का समर्थन नहीं कर सकता जो गुजरात और देश विरोधी हो।

अपना नामांकन वापस लेने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता कंचन जरीवाला ने इसके पीछे का कारण बताया। उन्होंने कहा कि मेरे नामांकन वापस लेने का कारण यह था कि सूरत (पूर्व) विधानसभा में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया था। कार्यकर्ता रुपयों की मांग करने लगे थे। जरीवाला ने आगे कहा कि मैं इतना सक्षम नहीं हूं कि 80 लाख से एक करोड़ रुपये तक चुनाव में खर्च कर सकूं। उनकी मांग इतनी थी कि मैं उसे पूरा नहीं कर सकता था। इसके कारण मैने नामांकन वापस ले लिया।

भाजपा द्वारा अपहरण किए जाने के आरोप पर उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद उनके ऊपर पार्टी का काफी दवाब था, लोग बार-बार फोन कर परेशान कर रहे थे। मैं अपने बेटे के दोस्तों के साथ चला गया था। उन्होंने कहा कि वहां बीजेपी का कोई नेता नहीं था। अब मैं अपने अगले कदम के बारे में 5-7 दिन बाद बताऊंगा।

इससे पहले आप नेता मनीष सिसोदिया ने चुनाव आयोग कार्यालय के आगे धरने पर बैठते हुए आरोप लगाया था कि भाजपा ने सूरत (पूर्व) से हमारे उम्मीदवार कंचन जरीवाला को अगवा कर लिया गया था। सिसोदिया ने कहा था कि उन्हें आखिरी बार कल आरओ ऑफिस में देखा गया था। सिसोदिया ने कहा, 500 से ज्यादा पुलिस वाले जबरन कंचन जरीवाला को रिटर्निंग ऑफिसर के दफ्तर लेकर पहुंचे और बंदूक की नोक पर उनका नामांकन वापस कराया। सिसोदिया ने कहा, जो कुछ हो रहा है वह चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव आयुक्त से मिलने का समय मांगा है।

वहीं, इन शिकायतों के बाद चुनाव आयोग ने मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में आप के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। वहीं, मामले में कार्रवाई के लिए गुजरात के मुख्य चुनाव आयुक्त को पूछताछ करने और वारंट के रूप में कार्रवाई करने के लिए भेजा गया है।

धामी सरकार में धर्मांतरण कानून हुआ अब और सख्त, 10 साल की सजा का प्रावधान

देहरादून, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में धर्म परिवर्तन कानून में सख्त बदलाव किए गए हैं। जबरन धर्म परिवर्तन को गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इसके तहत अपराधी को 10 साल की जेल की जाएगी। जबरन धर्म परिवर्तन और लव-जिहाद को राज्य में बैन किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कुल 26 रिजॉल्यूशन पास किए गए। यह भी तय किया गया कि उत्तराखंड हाईकोर्ट नैनीताल से हल्द्वानी शिफ्ट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने पिछले साल कहा था कि उन्होंने उत्तराखंड पुलिस को जबरन धर्म परिवर्तन और लव-जिहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिया है। तब उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य सरकार जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून को और सख्त बनाएगी।

अप्रैल, 2018 में उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट, 2018 पास किया था। इसके तहत जबरन या धोखे से धर्म परिवर्तन कराने के मामलों को गैर-जमानती अपराध माना गया है और इसमें 5 साल तक की जेल हो सकती है।

14 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने डरा-धमकाकर या लालच देकर धर्म परिवर्तन को गंभीर मामला बताया था। सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जबरन धर्मांतरण न सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा हो सकता है।

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि धर्म परिवर्तन के ऐसे मामले आदिवासी इलाकों में ज्यादा देखे जाते हैं। इस पर कोर्ट ने उनसे पूछा कि अगर ऐसा है तो सरकार क्या कर रही है। इसके बाद कोर्ट ने केंद्र से कहा कि इस मामले में क्या कदम उठाए जाने हैं, उन्हें साफ करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत धर्मांतरण कानूनी है, लेकिन जबरन धर्मांतरण कानूनी नहीं है।

जस्टिस एमआर शाह और हिमा कोहली की बेंच ने जबरन धर्मांतरण के खिलाफ केंद्र सरकार को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही कानून की मांग को लेकर दायर याचिका पर 22 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

आपको तय करना है कि यहां आदिवासियों का राज चाहिए या षड्यंत्रकारियों का : सोरेन

रांची, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ किए जाने से एक दिन पहले बुधवार को कहा कि आपको तय करना है कि इस राज्य में षडयंत्रकारियों का राज चलेगा या आदिवासियों का। सोरेन ने अपने आवास पर एक संबोधन में कहा, आपको तय करना है कि इस राज्य में षड्यंत्रकारियों का राज चलेगा या यहां के आदिवासियों का। हमें सत्ता से बेदखल करने के लिए ये लोग लगे हुए हैं, इन्हें पता है कि अगर मैं पांच वर्ष तक यहां टिक गया तो आदिवासियों को मजबूत कर दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा, जो लोग बाहर से आकर यहां राजनीति करते हैं उन्हें मैं बाहर कर दूंगा।

गौरतलब है कि अवैध खनन मामले में मुख्यमंत्री सोरेन को ईडी ने बृहस्पतिवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले रांची में मुख्यमंत्री आवास पर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के विधायकों की बैठक हुई। सभी विधायकों को रांची में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बड़ी रैली करने और विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

इससे पहले मंगलवार को सोरेन ने ईडी के समक्ष पेश होने के लिए 16 नवंबर की तारीख मांगी थी जिसे जांच एजेंसी ने खारिज कर दिया था तथा उन्हें तय समय पर 17 नवंबर को ही ईडी के समक्ष पेश होने को कहा था।

इस बीच, यहां नयी परिस्थितियों में उपलब्ध विकल्पों पर विचार के लिए बैठकों का दौर जारी है। सबसे पहले बुधवार शाम चार बजे कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई और उसके बाद झामुमो की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर हुई।

फिर देर शाम तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री आवास पर महागठबंधन विधायक दल की बैठक हुई जिसमें मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा जताया। सोरेन से पूछताछ के लिए दिल्ली के ईडी मुख्यालय से संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी यहां पहुंच गये हैं। ईडी ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर उसके दफ्तर के बाहर उचित सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय एजेंसियां बीजेपी के खिलाफ नहीं करती हैं कार्रवाई : ममता बनर्जी

झारग्राम, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में हमेशा तत्पर रहती हैं, लेकिन जब बात भाजपा के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की आती है तो वे कार्रवाई से बचती हैं। उन्होंने ये टिप्पणी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष के संदर्भ में की। दरअसल, घोष के फ्लैट के कागज़ात स्कूल शिक्षा आयोग (एसएससी) घोटाले के एक आरोपी प्रसन्न रॉय के आवास से बरामद हुए हैं। जिसके बाद टीएमसी प्रमुख भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही हैं।

उन्होंने बुधवार को दो दिवसीय झारग्राम के दौरे के बाद राजधानी कोलकाता लौटते समय कहा कि अर्पिता मुखर्जी के आवास में पार्थ चटर्जी के नाम के दस्तावेज पाए गए थे। जिसके बाद पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया था। कानून ने अपना काम करते हुए ये कार्रवाई की थी। लेकिन भाजपा नेता के संबंध में केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई से बच रही हैं। भाजपा नेता, जिनके फ्लैट की डीड एक आरोपी के आवास से जब्त की गई थी। उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

ममता बनर्जी ने आगे केंद्रीय एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में केंद्रीय एजेंसियां तेज हैं, लेकिन जब भाजपा नेताओं की बात आती है तो वे इतनी तत्पर नहीं हैं।

गौरतलब है कि एसएससी घोटाले के आरोपी प्रसन्ना रॉय के आवास पर सीबीआई के छापे के दौरान घोष के एक फ्लैट के डीड की एक प्रति मिली थी। जिसके बाद टीएमसी ने इस मामले में उन्हें घेरा था। इतना ही नहीं टीएमसी नेता और प्रवक्ता कुणाल घोष ने भाजपा नेता की गिरफ्तारी की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि सीबीआई को कस्टडी में लेकर दिलीप घोष से पूछताछ करनी चाहिए।

गौरतलब है कि इन आरोपों पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि वे और प्रसन्न रॉय एक की सोसायटी में रहते थे और चूंकि प्रसन्न रॉय समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष थे ऐसे में अपने बिजली कनेक्शन का नाम बदलने के लिए मैने उन्हें फ्लैट के कागजात की प्रति दी थी। अब जब टीएमसी को कुछ नहीं मिल रहा है तो वे इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वे केंद्रीय या राज्य एजेंसियों द्वारा किसी भी जांच के लिए तैयार हैं।

डिंपल को चाचा शिवपाल का समर्थन, कार्यकर्ताओं से बोले- जीत सुनिश्चित करें

लखनऊ, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में हो रहे लोकसभा उपचुनाव को लेकर प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को समर्थन देने का ऐलान किया है। इस दौरान शिवपाल यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मैनपुरी संसदीय सीट के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं यह भी खबर है कि कल अखिलेश यादव चाचा शिवपाल से मुलाकात कर सकते हैं। बता दें इससे पहले शिवपाल ने सैफई में पार्टी कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक बुलाई थी।

मंगलवार को सपा ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। इस सूची की खास बात यह है कि इसमें प्रसपा नेता शिवपाल सिंह यादव का नाम भी शामिल है। हालांकि शिवपाल यादव, डिंपल यादव के नामांकन में नहीं शामिल हुए थे।

हालांकि इसके पहले इसी महीने की शुरुआत में लखीमपुर खीरी में हुए उपचुनाव में शिवपाल सिंह यादव का नाम स्टार प्रचारकों की सूची से गायब था। मैनपुरी में होने वाले उपचुनाव में शिवपाल सिंह यादव के अलावा परिवार के कई अन्य सदस्यों का नाम भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। ये लोग भी राजनीति में सक्रिय हैं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
उदयपुर की एक गृहिणी ने
₹1 करोड़ जीते

उदयपुर, राजस्थान की श्रीमती कविता मोदी ने 21.09.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 75G 69475 है। "डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतना मेरे सपने पूरे होने जैसा है। इसने हमारे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मुझे ढेर सारी उम्मीदें और सहयोग प्रदान किया है। मैं इस पर विशाल पुरस्कार राशि का उपयोग अपने परिवार की बेहतरी के लिए करूंगी। इस आश्चर्यजनक अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी और नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहती हूं। इस प्रकार की मदद निश्चित रूप से मेरे जैसी महिला तथा डियर लॉटरी के विजेताओं का भी आत्मविश्वास बढ़ाएगी।" विजेता ने कहा।

गुजरात के उम्मीदवार के अपहरण के बारे में आप के आरोप झूठे हैं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 16 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर गुजरात विधानसभा चुनाव के अपने एक उम्मीदवार के कथित अपहरण का झूठा आरोप लगाने का दावा करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को छिपाने के लिए झूठ बोल रही है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, अरविंद केजरीवाल तथा आम आदमी पार्टी जब से राजनीति में आयी हैं तब से उन्होंने झूठ बोलने के नए मानक स्थापित किए हैं।

हर बार उनके झूठ का पर्दाफाश हो जाता है। ठाकुर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के उन आरोपों पर सवालों का जवाब दे रहे थे कि सूरत पूर्व विधानसभा सीट से आप के उम्मीदवार का अपहरण किया गया तथा उसे नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया गया। पहले की एक घटना का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आप ने दावा किया था कि दिल्ली में उसके विधायक लापता हो गए हैं लेकिन वे फिल्म देखते,

भोजन तथा आइसक्रीम खाते हुए पाए गए थे।

ठाकुर ने कहा, जिन लोगों ने कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया था वे अब भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस मामले की विस्तृत जानकारियां नहीं मालूम लेकिन अगर आप पहले के उनके बयानों को देखेंगे तो वे फर्जी पाएंगे। वे केवल सुर्खियों में बने रहने तथा अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com